RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः85 , शनिवार, 09 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हत्या के पुराने मामले में पूर्व महागठबंधन प्रत्याशी ने किया सरेंडर 03

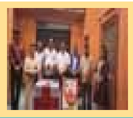
विश्व रेडक्रॉस दिवस पर वीरगंज में विविध कार्यक्रम, विद्यार्थियों को शैक्षणिक ... 04

गोल्डन साड़ी में काजल अग्रवाल ने बिखेरा जलवा, ग्रेस और ग्लैमर का... 07

जनसंख्या नियंत्रण: नीति के लिए लोगों का सहयोग जरूरी

● मोहन भागवत बोले-जाति तब खत्म होगी जब समाज बदलेगा ● कहा-लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता यूसीसी

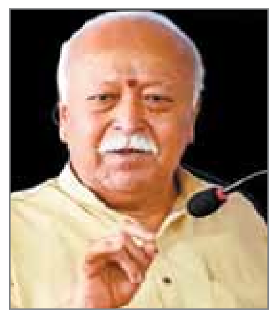

मैसूरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीति और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे कानून लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज जाति के आधार पर सोचना बंद करेगा। भागवत गुरुवार को कर्नाटक के मैसूरु में महाविद्यापीठ में सोशल हार्मनी ऐज ए कैटलिस्ट फॉर नेशनल डेवलपमेंट विषय पर लेक्चर के बाद इंटरेक्टिव सेशन में लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने समानता को नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार में अपनाने की अपील की। जनसंख्या नियंत्रण और यूसीसी पर सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन है। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून को सफल बनाने के लिए लोगों को शिक्षित करना और उनकी भागीदारी जरूरी है। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान जनसंख्या नियंत्रण उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जबरन नसबंदी कराई गई, जिससे लोगों में गुस्सा हुआ और बाद में सरकार को हार का सामना करना पड़ा। भागवत ने कहा कि जनसंख्या नीति बनाते समय जनसांख्यिकीय संतुलन, महिलाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जैसे पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए।

लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं

उन्होंने कहा, राज्य-दर-राज्य यह आगे बढ़ रहा है। शायद एक दिन पूरे देश में लागू हो जाए। लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं, क्योंकि एक व्यक्ति नहीं, बल्कि 142 करोड़ लोग मिलकर फैसला करते हैं। जाति व्यवस्था पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि पहले समाज बदलेगा, तभी राजनीति बदलेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि केवल जाति भूलने की बात न करें, बल्कि ऐसा व्यवहार करें जैसे जाति है ही नहीं। उन्होंने अंतरजातीय संबंध और विवाह को बढ़ावा देने की बात कही और 1942 में महाराष्ट्र में हुए एक अंतरजातीय विवाह का उदाहरण दिया, जिसे बीआर आंबेडकर और एमएस गोलवलकर ने आशीर्वाद दिया था।

धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं

भागवत ने कहा कि धार्मिक सद्भाव पर उन्होंने कहा कि सभी धर्म अंतत : सत्य की ओर ले जाते हैं, भले ही उनके तरीके अलग हों। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रास्ते आखिरकार एक ही मंजिल तक पहुंचते हैं, जैसे नदियां समुद्र में मिलती हैं। धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं है। धर्मों को समझना चाहिए कि मंजिल एक है और मानवता के लिए सहयोग और समन्वय जरूरी है। आचरण में धर्म होना चाहिए। संयम, अनुशासन और नैतिकता धर्म का आधार हैं। भारत बार-बार अपनी आजादी इसलिए खोता रहा, क्योंकि समाज में विभाजन थे। देश के विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए एकता जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में रास्ता साफ विजय बनाएंगे सरकार

वीसीके,सीपीएम,सीपीआई ने किया टीवीके-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में किसकी सरकार बनने जा रही है। इस सवाल का जवाब मिल गया। अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी टीवीके को सरकार गठन के लिए अहम समर्थन मिल गया है। कांग्रेस के समर्थक के बाद अब वीसीके, सीपीएम और सीपीआई जैसे दलों ने भी उन्हें समर्थन देने का फैसला किया है। इससे राज्य में नई सरकार बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े के करीब पहुंच चुके टीवीके गठबंधन ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। विपक्षी दलों के समर्थन के बाद विजय पहली बार सत्ता के बेहद करीब पहुंच गए हैं और उन्होंने सरकार गठन का दावा पेश कर दिया है।

पास किया 118 का जादुई आंकड़ा

बता दें कि तमिलनाडु में अब टीवीके चीफ थलपति विजय की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। 2-2 विधायकों वाले वीसीके, सीपीएम, सीपीआई ने कांग्रेस-टीवीके गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया है। साथ ही बीजेपी ने भी मतदान से दूर रहने के संकेत दिए हैं। इसके बाद विजय के लिए बहुमत हासिल करने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। राज्यपाल ने उन्हें 10 मई तक का समय दिया था। बहुमत मिलने के बाद उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। बता दें कि यह विजय की राज्यपाल से तीसरी मुलकात है।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी को अमेरिकी कोर्ट ने बताया अवैध

● 10 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला रद्द, अदालत बोली-राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लगाए गए 10 फीसदी ग्लोबल टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि यह टैरिफ 1974 के व्यापार कानून के तहत सही नहीं थे। प्रशासन के पास कांग्रेस की अनुमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाने का अधिकार नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने अपने फैसले में कहा कि इसी साल की शुरुआत में लगाए गए ये टैरिफ कानून अमान्य हैं। ट्रम्प ने फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए इन ग्लोबल टैरिफ को लागू करने की घोषणा की थी। प्रशासन ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि अमेरिका 1.2 ट्रिलियन डॉलर के व्यापार घाटे का सामना कर रहा है। हालांकि, जजों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि इस तरह का व्यापार घाटा कानून की अनिवार्य शर्तों को पूरा नहीं करता।

हो गया ऐलान, शुभेंदु को मिली कमान

● पश्चिम बंगाल को मिल गया नया ‘अधिकारी’,आज है शपथ ● चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता, शाह रहे मौजूद

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता शुभेन्दु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं। उन्होंने ममता को हराया है।

तीन दशक बाद संभालेंगे सीएम का पद

शुभेन्दु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था। शुभेन्द अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है। उन्होंने पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया। वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए। नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें बंगाल की राजनीति में मेदिनीपुर का बादशाह बना दिया। दिसंबर 2020 में वह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से हराकर सबको चौंका दिया।

कांग्रेस से की थी राजनीति की शुरुआत

शुभेन्दु अधिकारी ने राजनीतिक की शुरुआत की थी। वह 1995 में कांग्रेस से कंटई नगर पालिका के पार्षद चुने गए थे। ऐसे में उन्होंने 1995 से 2026 तक करीब तीन दशक बाद मुख्यमंत्री का पद हासिल किया है। शुभेन्दु अधिकारी के परिवार में दो भाई हैं। दिब्येंदु अधिकारी तामलुक से सांसद और विधायक रह चुके हैं। दूसरे भाई सौमेंद्र अधिकारी कांथी नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह वर्तमान में कांथी से सासंद हैं। शुभेन्दु अधिकारी अविवाहित हैं। शुभेन्दु अधिकारी की मां का नाम गायत्री अधिकारी है। उन्होंने अपना जीवन सामाजिक और राजनीतिक कार्यों के लिए समर्पित कर रखा है। शुभेन्दु अधिकारी शनिवार को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

एक देश ने आबादी से 8 गुना ज्यादा जमा कर ली वैक्सीन

● जयशंकर का भारतीयों से भरे देश से इशारों में अमेरिका पर बड़ा तंज

पारामारिबो (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सुरीनाम में कहा है कि आज दुनिया संसाधनों का इस्तेमाल हथियार की तरह कर रही है। तेजी से बदलते वैश्विक व्यवस्था के बारे में आगाह करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया वित्त, संसाधनों, तकनीक और कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व हथियारीकरण को देख रही है। क्योंकि देश अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आर्थिक और बाजार के प्रभाव का इस्तेमाल तेजी से कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान भारत के वैक्सीन डिप्लोमेसी का जिक्र करते हुए एक विकसित देश पर तंज कसा और कहा कि कोविड काल में एक देश ने अपनी जनसंख्या से आठ गुना ज्यादा वैक्सीन जमा कर रखा था। पारामारिबो में सूरीनाम के समाज के विभिन्न वर्गों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि वैश्विक शक्ति के बारे में पारंपरिक धारणाएं अब बदल रही है।

एक देश ने जमा रखी थी आठ गुना ज्यादा वैक्सीन

सूरीनाम के समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी का जिक्र करते हुए एक विकसित देश पर पर तंज कसा। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने वैक्सी वितरण में भारी असमानता की तरफ इशारा किया जो संकट के चरम पर होने के दौरान सामने आई थी। उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने अपनी आबादी से आठ गुना ज्यादा वैक्सीन का भंडारण कर लिया था जबकि विकासशील दुनिया पीछे रह गई थी।

केसी वेणुगोपाल का केरल का मुख्यमंत्री बनना तय!

राहुल गांधी के हैं खास,एआईसीसी पर्यवेक्षकों को दी अपनी राय

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल का मुख्यमंत्री कौन होगा। इस सवाल का जवाब अभी तक कांग्रेस नहीं दे पाई है। हालांकि सूत्रों की मानें तो केसी वेणुगोपाल ही केरल के अगले सीएम होंगे। वेणुगोपाल अभी अलाप्पुझा से सांसद हैं और अभी कांग्रेस के महासचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। अपनी संगठनात्मक काबिलियत के लिए मशहूर वेणुगोपाल ने हाल के सालों में पार्टी के ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्हें राहुल गांधी का करीबी भी माना जाता है, जिसका असर आखिरी फैसले पर पड़ सकता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रीय स्तर पर उनका अनुभव और पार्टी की रणनीति बनाने में उनकी भूमिका उन्हें सबसे बड़े पद के लिए एक मजबूत दावेदार बनाती है। केसी वेणुगोपाल का जन्म 4 फरवरी 1963 को केरल के कन्नूर जिले के पय्यानूर में हुआ था। उनके पिता का नाम कुंजुकृष्णन नायर और मां का नाम जानकी अम्मा है। उन्होंने कांग्रेस के छात्र आंदोलन के जरिए सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। वे केरल स्टूडेंट्स यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष और इंडियन यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने। वे 1996, 2001 और 2006 में अलाप्पुझा सीट से केरल विधानसभा के लिए चुने गए।

एएपी का आरोप,बीजेपी ने आरोपी से डोनेशन लिया

● मनी लॉन्ड्रिंग आरोपी को भाई से बढ़कर बताया,बिल्डिंग से 500 के नोट उड़े थे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रधान अमन अरोड़ा ईडी रेड में घिर गए हैं। जांच एजेंसी ईडी का दावा है कि मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी गौरव धीर मंत्री अमन अरोड़ा का करीबी है। इसको लेकर अरोड़ा ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि गौरव धीर उनका दोस्त है लेकिन उसकी बिजनेस डीलिंग से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। अगर ईडी को मुझ तक आना है तो मैं चैलेंज करता हूं कि मुझे बुलाओ, पूछताछ करो। मेरे मोबाइल की जांच करो। मेरा इस तरह की किसी गड़बड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। अरोड़ा ने पूछा कि क्या ईडी को ये पता नहीं है कि इसमें जो सनटेक सिटी वाले आरोपी सुरेश बजाज ने 2023 में भाजपा को ढाई लाख रुपए का डोनेशन दिया था। वहीं मोहाली में 2 रिएल एस्टेट ग्रुपों में ईडी रेड 32 घंटे बाद भी जारी है। इसमें सबसे अहम किरदार मोहाली की वेस्टर्न टावर्स सोसाइटी में रहने वाला कारोबारी है।

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

● अब तक 3 की मौत,डॉक्टर बोले-यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

प्राया (एजेंसी)। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। एजेंसी के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आईलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है।

नई कैबिनेट बनते ही बिहार में बवाल: पटना में टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर हुआ लाठीचार्ज

● परीक्षा नियमावली में बदलाव के विरोध में प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 शिक्षक भर्ती के विज्ञापन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के सब्र का बांध शुक्रवार को टूट गया। इसके बाद पटना के जेपी गोलंबर पर पुलिस की लाठी से उनका सामना हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज कर अभ्यर्थियों को खदेड़ दिया। नई कैबिनेट के शपथ लेने के 24 घंटे बाद ही टीआरई-4 के अभ्यर्थी सड़क पर उतर गए। पटना कॉलेज परिसर में हजारों की संख्या में जुटे अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार और बीपीएससी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला। छात्रों का मुख्य आरोप है कि आयोग ने अप्रैल के मध्य में विज्ञापन जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन मई बीतने को है और अब तक कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है। ये प्रदर्शन बाकरगंज और मछुआ टोली होते हुए आगे बढ़ा। स्थिति को देखते हुए पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा खुद मुस्तैद दिखे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इंतजाम दिखा।

टीआरई-4 के विज्ञापन में देरी से छात्र नाराज

अभ्यर्थियों का कहना है कि बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट के माध्यम से तीन-चार दिनों के भीतर विज्ञापन जारी करने का दावा किया था। आज 8 मई बीत जाने के बाद भी पोर्टल पर कोई अपडेट नहीं है। लगभग 46,595 पदों पर होने वाली इस बहाली को लेकर छात्रों ने सरकार पर धोखेबाजी का आरोप लगाया है। हालांकि, बिहार के नव नियुक्त शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि टीआरई-4 की वैकेंसी बिल्कुल नहीं फंसेगी, उसे लेकर बैठक चल रही है। जल्द ही फैसला लिया जाएगा। लाठीचार्ज के बाद भी बेरोजगार युवक और युवतियों की भीड़ डटी है। एसडीएम रितिका मिश्रा और सिटी मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव कह रहे हैं कि एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए आगे आए। लेकिन आंदोलनकारियों का कहना है कि बिना छात्र नेता दिलीप कुमार के बात नहीं हो सकती। दिलीप कुमार पुलिस के कब्जे में हैं, जिस वजह से गतिरोध और तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

एक ही परीक्षा की कर रहे हैं मांग

प्रदर्शनकारी एक तो बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा टीआरई 4 बहाली का नोटिफिकेशन तत्काल जारी करने की मांग कर रहे हैं। आयोग के अधिकारियों ने अप्रैल के तीसरे हफ्ते में ही आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने और सितंबर के अंत में परीक्षा होने की जानकारी दी थी लेकिन मई का दूसरा सप्ताह निकल रहा है और अधिसूचना जारी नहीं हुई है। प्रदर्शनकारियों के बीच गुस्सा इस चर्चा से भी है कि अब बीपीएससी दो चरण में यह परीक्षा लेगा। पहले प्रारंभिक यानी प्रीलिम्स परीक्षा होगी और फिर उसमें चयनित कैंडीडेट को मुख्य परीक्षा यानी मेन्स में बैठना होगा। आंदोलनकारी पहले की तरह एक ही परीक्षा लेने की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

घायल की इलाज के दौरान मौत, अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने लगाया जाम

हाजीपुर। वैशाली जिले में सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। गुरुवार को शव के पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजनों ने सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना बीते देर रात हुई जब सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के अंधराबर चौक के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें एक निजी पिकअप वाहन से सहदेई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सहदेई स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया था। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही बड़े भाई सुरेश साहनी की मौत हो गई। छोटे भाई असेशर साहनी की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। मृतक सुरेश साहनी के घर में इस घटना के बाद मातम पसरा हुआ है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि सहदेई बुजुर्ग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा चुकी है और स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही आम बात है। इस घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत उजागर की है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और स्थिति को शांत किया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

मुजफ्फरपुर में जल्द खुलेंगे आधुनिक मछली बाजार, चार जगह पर मिलेंगी ताजी-जिंदा फिश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मछली प्रेमियों के लिए जल्द ही आधुनिक मछली बाजारों की शुरुआत होगी। शहर में मछली कारोबार को व्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए चार प्रमुख स्थानों पर नए बाजार विकसित किए जाएंगे। भगवानपुर चौक, नीम चौक, लक्ष्मी चौक और संजय सिनेमा चौक पर भूमि चिन्हित कर ली गई है, और निर्माण काम शीघ्र शुरू होगा। इस योजना से उन मछली विक्रेताओं को लाभ मिलेगा जो अब तक सड़क किनारे या खुले में मछली बेचते थे। नए बाजारों में उन्हें स्थायी दुकानें और निर्धारित स्थान मिलेंगे, जिससे उनका व्यवसाय सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेगा। इन बाजारों में सुधा आउटलेट की तर्ज पर आधुनिक डिजाइन वाले स्टॉलों में मछलियां बेची जाएंगी।

ग्राहकों को ताजी और जीवित मछली चुनने का अवसर मिलेगा, क्योंकि मछलियों को जिंदा रखने की विशेष व्यवस्था होगी। साथ ही, सही वजन और उचित कीमत की गारंटी भी दी जाएगी। नए बाजारों में पक्के प्लेटफॉर्म, साफ-सफाई, बिजली और पानी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे गर्मी और बारिश में मछली खराब होने की समस्या कम होगी, और व्यापारियों को भी राहत मिलेगी। इन बाजारों में केवल कच्ची मछली ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के फिश प्रोडक्ट भी उपलब्ध होंगे। इनमें फिश कटलेट, मछली कबाब, फिश फिंगर्स, झींगा फ्राई और मछली के अंडों से बना विशेष व्यंजन 'गबोली डांगर' जैसे आइटम शामिल होंगे। जिला मत्स्य पदाधिकारी रणधीर कुमार ने बताया कि यह परियोजना राज्य सरकार की 'सात निश्चय-3' के तहत मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन योजना का हिस्सा है। पूरे बिहार में कुल 100 आधुनिक मछली बाजार विकसित किए जाने हैं। पहले चरण में मुजफ्फरपुर सहित 9 जिलों में 30 बाजारों का निर्माण किया जाएगा।

चलती बस में छात्रा से छेड़खानी, एफआईआर दर्ज, पटना से एग्जाम देकर मुजफ्फरपुर लौट रही थी

मुजफ्फरपुर। पटना से परीक्षा देकर लौट रही एक छात्रा के साथ चलती बस में छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बस के कंडक्टर ने सफर के दौरान छात्रा के साथ बदसलूकी की और कई बार 'बैड टच' किया। करीब ढाई घंटे तक छात्रा भय और तनाव में सफर करती रही। मुजफ्फरपुर पहुंचने के बाद उसने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, पीड़िता मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। बुधवार को वह पटना परीक्षा देने गई थी। परीक्षा खत्म होने के बाद शाम में एक निजी बस से मुजफ्फरपुर लौट रही थी। इसी दौरान वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के पास बस के कंडक्टर ने उसके साथ बदतमीजी शुरू कर दीं। छात्रा ने विरोध किया, लेकिन आरोपी कंडक्टर नहीं माना और पूरे रास्ते उसे परेशान करता रहा। आरोप है कि सफर के दौरान उसने कई बार छात्रा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की, जिससे वह पूरी तरह सहम गई। मुजफ्फरपुर बस स्टैंड पहुंचने के बाद छात्रा किसी तरह घर पहुंचकर उसने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद देर रात परिजन छात्रा को लेकर सदर थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। घटना वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र की होने के कारण मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस ने तकनीकी प्रक्रिया के तहत 'जीरो FIR' दर्ज की है। इसके बाद मामले को आगे की कार्रवाई के लिए सराय थाना भेज दिया गया है। सदर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार आजाद ने बताया कि चलती बस में छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया है। छात्रा के बयान के आधार पर जीरो FIR दर्ज कर ली गई है और केस को सराय थाना स्थानांतरित किया गया है। पुलिस ने छात्रा द्वारा उपलब्ध कराए गए बस के विवरण और कंडक्टर के मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली है। बताया जा रहा है कि आरोपी पटना के बड़ी पहाड़ी इलाके का रहने वाला है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की तैयारी में जुट गई है।

'पहले रेप की कोशिश, अब गोली मारने की धमकी दे रहे', पूरा परिवार डरा हुआ है

मुजफ्फरपुर। "मैंने अपने कोच के खिलाफ डेढ़ महीने पहले रेप की कोशिश करने का केस दर्ज कराया था। अब कोच मुझे फोन कर धमकी दे रहा है कि जब भी मैं तुम्हें देखूंगा, तो गोली मार दिया। कोच को पुलिस ने अभी तक अरेस्ट नहीं किया है। अब पुलिस भी केस को मैनेज करने की कोशिश कर रही है।" दरअसल, मुजफ्फरपुर की एक 17 साल के नाबालिग रग्बी खिलाड़ी ने अपने ही कोच पर यौन उत्पीड़न, जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। एफआईआर दर्ज होने के डेढ़ महीने बाद पीड़िता का कहना है कि पहले कोच ट्रेनिंग के दौरान छेड़छाड़ करता था, करियर बर्बाद करने की धमकी देकर दबाव बनाता था। अब केस दर्ज होने के बाद उसे गोली मारने की धमकी दी जा रही है। मामला दर्ज होने के करीब डेढ़ महीने बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पीड़िता ने बताया कि जब वह रग्बी ट्रेनिंग के लिए मैदान जाती थी, तब आरोपी कोच राहुल कुमार महतो उसके साथ गलत हरकत करता था। वह अकेले में मिलने के लिए दबाव बनाता था और जबरन गलत काम करने की कोशिश करता था। विरोध करने पर टीम से निकालने और खेल करियर खत्म करने की धमकी देता था। 23 मार्च को पीड़िता ने पटना के कंकड़बाग थाने में जीरो FIR दर्ज कराई थी। बाद में मामला मुजफ्फरपुर के तुर्की थाना ट्रांसफर किया गया, जहां 25 मार्च को केस दर्ज हुआ। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को ऑडियो सबूत भी दिए हैं, जिसमें कोच उससे अश्लील बातें करता सुनाई दे रहा है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी सिर्फ उसके साथ ही नहीं, बल्कि अन्य महिला खिलाड़ियों के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करता था। कई लड़कियों ने यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और अवैध उगाही को लेकर शिकायत की थी। डर और दबाव के कारण करीब 10-15 लड़कियों ने ट्रेनिंग के लिए मैदान आना तक छोड़ दिया। नाबालिग खिलाड़ी बिहार टीम की ओर से दो बार नेशनल स्तर पर रग्बी खेल चुकी है। लेकिन कोच की प्रताड़ना के कारण वह लगातार मानसिक तनाव में थी। मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़िता ने आरोप लगाया कि केस दर्ज होने के बाद अब आरोपी उसे गोली मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का कहना है कि जिन लड़कियों ने उसके समर्थन में शिकायत की थी, उन्हें भी अलग-अलग माध्यमों से डराया जा रहा है। आरोपी कहता है कि वह पीड़िता को गोली मार देगा।

तेज आंधी के साथ बारिश, ओले गिरे, कई जगहों पर पेड़ टूटे

पेट्रोल पंप की दीवार ढही, 10 शहरों में छाए बादल

एजेंसी, पटना

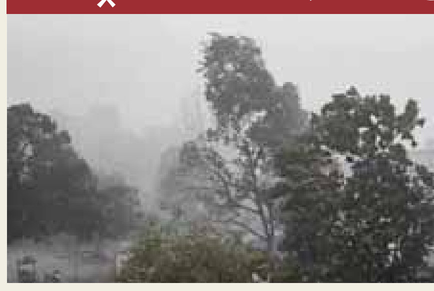

पिछले 10 दिनों से बिहार में बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। राज्य के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग ने आज भी 14 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली के साथ ही ओले भी गिर सकते। साथ ही 50km प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। पटना में आज शाम तेज बारिश के बीच ओले भी गिरे। दिन में ही अंधेरा छाया है और तेज आंधी भी चल रही है। बारिश के बीच राजधानी में कई जगहों पर पेड़ टूट गए। जबकि आर ब्लॉक स्थित एक पेट्रोल पंप की दीवार ढह गई। वहीं 10 शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक आंधी-बिजली, बारिश और ओला गिरने को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने और पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव दिख रहा है।

विभाग ने 10 मई से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना जताई है, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक मौसम सामान्य बना रह सकता है। बीते 24 घंटे में जमुई, रोहतास, गयाजी समेत 5 जिलों में तेज बारिश हुई। गयाजी, रोहतास, लखीसराय में बारिश के साथ ओले भी गिरे और कई जिलों में बादल छाए रहे।

पटना में कैसा रहेगा मौसमः राजधानी में भी मौसम सुहावना बना रह सकता है। विभाग के अनुसार, शुक्रवार को पटना में बादल छाए रहने, हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिनभर उमस कम रहने और बीच-बीच में हवा चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि शाम और रात के समय गरज के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है।

प्राचीन देवी मंदिर में चोरी, मूर्ति की सोने की नथिया ले उड़े चोर

मंदिर परिसर में की तोड़फोड़, पुलिसिंग पर उठे सवाल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के देवकुली गांव स्थित एक प्राचीन देवी मंदिर में देर रात चोरी की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात चोरों ने NH-30 किनारे स्थित मंदिर का ताला काटकर देवी मां की सोने की नथिया चोरी कर ली और मंदिर के अंदर तोड़फोड़ भी की। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह तब हुई, जब मंदिर के पुजारी और कमेटी सदस्य पूजा के लिए पहुंचे। मंदिर का मुख्य गेट खुला मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। मां की मूर्ति का मुकुट भी अस्त-व्यस्त था, जबकि सोने की नथिया गायब थी।

50 हजार से अधिक की बताई जा रही कीमतः मंदिर कमेटी सदस्य विनय कुमार सिंह ने बताया कि चोरी हुई सोने की नथिया की कीमत 50 हजार रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि पास के एक अन्य मंदिर में भी चोरों ने ताला काटकर चोरी की कोशिश की, लेकिन वहां कोई कीमती सामान नहीं मिलने से वे सफल नहीं हो सके।

कमेटी सदस्यों के अनुसार, चोरी की घटना रात 1 बजे से 4 बजे के बीच हुई होगी। उन्होंने इलाके में पुलिस गश्त की कमी पर सवाल उठाते हुए कहा कि NH रोड पर लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मंदिर कमेटी की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में आवेदन दिया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और चोरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

'जीविका दीदियों को जल्द दूसरी किश्त भेजी जाएगी'

एजेंसी, पटना

कुर्सी संभालते ही श्रवण कुमार का ऐलान, बोले- 5 किश्तों में होगा 2 लाख का भुगतान

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को अपनी कुर्सी संभाली। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया, जीविका दीदी को जल्द दूसरी किस्त भेजी जाएगी। तैयारी चल रही है। 5 किश्त में 2 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। अगर कोई जीविका दीदी रोजगार शुरू करना चाहती हैं तो उन्हें 10 लाख रुपए तक की राशि दी जाएगी। श्रवण कुमार ने कहा कि चुनाव से पहले 1.81 करोड़ जीविका दीदियों को पहले किश्त के रूप में 10 हजार रुपए दिए गए हैं।

इधर, मद्य निषेध मंत्री मदन सहनी ने आज अपनी कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा, शराबबंदी के बाद भी शराब की बिक्री हो रही है। इसे लेकर सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है। दिलीप जायसवाल ने आज राजस्व विभाग की कमान संभाली। उन्होंने कहा, राजस्व डिपार्टमेंट का काम बहुत चुनौती वाला है। निशांत कुमार ने स्वास्थ्य विभाग की कुर्सी संभाली। उन्होंने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। जब उनसे पूछा गया कि स्वास्थ्य मंत्री का पहला कदम क्या होगा। इस पर उन्होंने कहा, जानूंगा, सीखूंगा फिर करूंगा। मेरे पिताजी ने बिहार को आगे बढ़ाय है। मैं उसे और आगे लेकर जाऊंगा।

बिहार में नई सरकार के गठन के 22 दिन बाद गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार कर दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग समेत 6 विभाग अपने पास रखे हैं। डिप्टी सीएम बिजेंद्र प्रसाद यादव को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि विजय कुमार चौधरी जल संसाधन विभाग संभालेंगे।

दीदारगंज में कॉलेज स्टूडेंट की गोली मारकर हत्या, घर से बुलाकर खेत में मारी गोली

एजेंसी, पटना

इलाके में तनाव परिजनों ने पुलिस पर उठाए सवाल

पटना से सटे दीदारगंज थाना क्षेत्र के कोठिया गांव में गुरुवार देर रात बेखौफ अपराधियों ने एक कॉलेज छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान राजू यादव के 19 वर्षीय पुत्र हर्ष उर्फ यश कुमार के रूप में हुई है। वारदात के बाद इलाके में आक्रोश और तनाव का माहौल है।

घर से बुलाकर खेत में मारी गोलीः परिजनों के मुताबिक, हर्ष रात में खाना खाने के बाद घर पर था। इसी दौरान पड़ोसी गांव महमदपुर के चार युवकों ने उसे फोन कर बाहर बुलाया। हर्ष उनके साथ चला गया, जहां अपराधियों ने गांव के पास एक खेत में ले जाकर उसके सीने में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौतः गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में हर्ष को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (NMCH) ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोपः घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि वरीय अधिकारियों को फोन करने के बाद करीब दो घंटे बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। उनका आरोप है कि हत्या की सूचना देने पर स्थानीय थाने से जवाब मिला कि 'थाने आकर आवेदन दे दीजिए।'

ग्रामीण एसपी ने संभाली जांचः मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार और फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने जांच की कमान संभाली। पुलिस ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया है। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

पुरानी रंजिश में हत्या की आशंकाः पुलिस की शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद या पुरानी रंजिश से जुड़ा माना जा रहा है। हालांकि, हत्या के पीछे की असली वजह का अभी आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

टीआरई-4 कैंडिडेट्स को दौड़ाकर पीटा

एजेंसी, पटना

महिला अभ्यर्थी को पुलिस वालों ने पैर से कुचला, कपड़े उतारकर सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारी

पटना में शुक्रवार को TRE-4 कैंडिडेट्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कैंडिडेट्स को सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा गया। इस दौरान कई के सिर फटे हैं। महिला कैंडिडेट को पुलिस वालों ने पैरों से कुचला। कैंडिडेट्स ने कहा, हम आने वाले भविष्य के टीचर हैं। ये लोग हमें गुंडा समझ कर पीट रहे हैं। लाठीचार्ज के बाद सड़कों पर कैंडिडेट्स की चप्पलें बिखरी दिखीं। एक कैंडिडेट के कपड़े सीने तक खून से सने थे। लाठीचार्ज के बाद कैंडिडेट्स ने आधे कपड़े उतार दिए और सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। बारिश के बीच अभ्यर्थी सड़क पर डटे हैं। कैंडिडेट्स की मांग है कि सरकार आज ही TRE-4 की वैकेंसी जारी करे। आज सुबह 10 बजे कैंडिडेट्स वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी BPSC ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने JP गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार कैंडिडेट्स शामिल हैं।

वाटर कैनन बुलाई, लेकिन सीधे लाठीचार्ज कर दियाः लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने कैंडिडेट्स को JP गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। कैंडिडेट्स बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान 3 बसों से लाठियां मंगवाई गईं। वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले भी मंगवाए गए थे, लेकिन इन सबका इस्तेमाल किए बिना ही पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया। छात्र नेता दिलीप का कहना है कि अभ्यर्थियों को बरगलाया जा रहा है। BPSC परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि TRE-4 का विज्ञापन तीन-चार दिनों में जारी कर दिया जाएगा और 25-26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब 8 मई हो चुकी है और अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इधर, अभ्यर्थियों का कहना है कि, हमलोग जमीन गिरवी रखकर तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार धोखा दे रही है। नए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी को जल्द इस पर एक्शन लेना चाहिए। शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद मिथिलेश तिवारी ने कहा, हम सबको मिलकर बिहार को बदलना है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी समस्या का जल्द सामाधान किया जाएगा। हम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठेंगे और समस्याओं का हल निकालेंगे। हम सभी मिलकर बिहार को आगे बढ़ाएंगे। मैं शिक्षा मंत्री जरूर हूं, लेकिन बिहार को आगे बढ़ाने का काम हर बिहारी का है। समस्या आज है तो हल भी आज ही निकलेगा।

पटना नगर निगम जल्द लॉन्च करेगा अपना ऐप

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम जल्द ही अपना डिजिटल ऐप लॉन्च करने जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को नगर निगम के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और कई सुविधाएं एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। ऐप को संचालित करने के लिए निगम ने बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से वर्चुअल प्राइवेट सर्वर (VPS) उपलब्ध कराने की मांग की है।

इस ऐप के शुरू होने के बाद नागरिक घर बैठे वार्ड पार्षद और निगम अधिकारियों का नंबर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही अपनी समस्याओं की शिकायत दर्ज कर उसके समाधान की जानकारी भी ऑनलाइन ले सकेंगे।

इस ऐप में जियोस्पेशियल तकनीक का इस्तेमाल कर "गेट माय वार्ड" फीचर भी होगा। इसके माध्यम से नागरिक अपने वार्ड की पहचान कर संबंधित अधिकारियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप के माध्यम से शहर की सभी महत्वपूर्ण संपत्तियों और सेवाओं का डिजिटल नक्शा तैयार होगा। वहीं, "PMC डिजिटल एसेट्स" प्लेटफॉर्म के जरिए नगर निगम की सभी अचल संपत्तियों की जानकारी इंटरएक्टिव मैप पर उपलब्ध होगी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में 450 बेड का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक तैयार

एजेंसी, पटना

पटना के लोकनायक जयप्रकाश नारायण (LNJP) अस्पताल में 400 बेड का अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ट्रामा सेंटर लगभग बनकर तैयार है। छह मंजिला यह हाईटेक भवन मई के अंत तक अस्पताल प्रशासन को सौंपे जाने की तैयारी है। इसके शुरू होने से बिहार के मरीजों को स्पाइन, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी जैसे जटिल रोगों के इलाज के लिए अब दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नया ब्लॉक आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से सुसज्जित होगा। इसमें रोबोटिक और नेविगेशन आधारित स्पाइन सर्जरी, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, एडवांस एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्पोर्ट्स इंजरी यूनिट, पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स और रिहैबिलिटेशन सेंटर भी एक ही छत के नीचे मिलेंगे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश चौधरी ने बताया कि, 'निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यदि सब कुछ योजनानुसार रहा तो मई के अंत तक बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) द्वारा भवन अस्पताल प्रशासन को सौंप दिया जाएगा। भवन के हस्तांतरण के बाद अगले महीने से मरीजों के लिए नई सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से शुरू कर दी जाएंगी।' डॉ. चौधरी के अनुसार, कुछ तकनीकी और इंटीरियर से जुड़े कार्य अभी बाकी हैं, जिन्हें हस्तांतरण के बाद भी पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने इस भवन को बिहार के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक मील का पत्थर बताया, जहां मरीजों को कम खर्च में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

आईजीआईएमएस में नर्सिंग छात्राओं का आंदोलन खत्म

एजेंसी, पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) के नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं का आंदोलन 48 बाद आज शुक्रवार को खत्म हो गया। स्वास्थ्य विभाग और संस्थान निदेशक के हस्तक्षेप के बाद छात्राओं ने ये फैसला किया। छात्राओं का एक डेलिगेशन स्वास्थ विभाग के अधिकारी और संस्थान के निदेशक से मिलकर अपनी बातों को उनके समक्ष रखा। बातचीत करीब 1 घंटे तक संस्थान के निदेशक कक्ष में हुई।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं के मुताबिक, बातचीत के दौरान सबसे बड़ा फैसला वाइस प्रिंसिपल रूपाश्री दासगुप्ता को लेकर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी पांचों सेमेस्टर से जुड़े अकादमिक कार्यों से वाइस प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से अलग कर दिया है। फिलहाल वे किसी भी प्रकार का अकादमिक कार्य नहीं देखेंगी। साथ ही छात्राओं के आरोपों की जांच के लिए टीम गठित किया गया है। छात्राओं का कहना है कि उनकी प्रमुख मांगों पर कार्रवाई का भरोसा मिलने के बाद वे वापस अपने हॉस्टल और कक्षाओं में लौट गई हैं।

छात्राओं के प्रदर्शन की वजह से अस्पताल का गेट नहीं खुल पा रहा था। ना तो अस्पताल में एंबुलेंस जा पा रही थी, ना ही डॉक्टर्स की एंट्री हो पा रही थी। छात्राओं का आरोप था कि कॉलेज की प्रिंसिपल अनुजा डैनियल और वाइस प्रिंसिपल रुपाश्री दासगुप्ता उनके साथ मारपीट करती हैं। उन्हें गालियां देती हैं। जानबूझकर उन्हें एग्जाम में फेल किया जाता है। कई बार शिकायत के बाद भी दोनों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्राएं हाथ में पोस्टर लेकर बैठी थी। जिनपर लिखा था- कॉलेज कोठा नहीं है। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल को हाटने की मांग की। महिला टीचर्स भी छात्राओं के समर्थन में उतर गई थीं। आंदोलन कर रही छात्राओं ने बताया, साल 2018 से लंबित स्टाइपेंड की समस्या को भी विभाग ने गंभीरता से लिया है। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि 7 कार्य दिवसों के अंदर स्टाइपेंड बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद छात्राओं में राहत देखी गई। छात्राओं ने यह भी मुद्दा उठाया था कि पिछले 6 महीनों से कई सेशन समय से पीछे चल रहे हैं, जिससे पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे। इस पर संस्थान प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी सेशन को जल्द ऑन टाइम किया जाएगा ताकि छात्राओं का भविष्य प्रभावित न हो।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने क्या आरोप लगाएः छात्राओं का प्रदर्शन बुधवार यानी 6 मई से चल रहा था। गुरुवार को भी छात्राओं ने कैंपस के अंदर प्रदर्शन किया था। धरने में साल 2021 से 2025 तक की अलग-अलग बैच की लगभग 450 छात्राएं शामिल थीं।

छात्राओं ने सुबह से ही कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया और कॉलेज के मुख्य गेट पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उनके हाथों में 'कॉलेज कोठा नही हैं', "मानसिक प्रताड़ना बंद करो", "हमें न्याय चाहिए" और "प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल को बर्खास्त करो" जैसे नारे लिखे पोस्टर और तख्तियां थीं। छात्राओं ने प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अरेराज के लाल ने लहराया परचम, बनकटवा के अमर्त्य राज का आईआईटी मद्रास में चयन

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज अनुमंडल अंतर्गत बनकटवा गांव के एक होनहार छात्र, अमर्त्य ने अपनी शानदार शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में से एक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) मद्रास के प्रतिष्ठित बैचलर ऑफ साइंस (BS) इन डेटा साइंस एंड एप्लीकेशंस प्रोग्राम में अपनी जगह पक्की कर ली है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता से पूरे बनकटवा गांव और अरेराज क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। अमर्त्य की यह सफलता इसलिए भी विशेष है क्योंकि वे एक बेहद साधारण और ग्रामीण परिवेश से आते हैं। उनकी माता, आशा देवी, समाज सेवा से जुड़ी हैं और एक आंगनवाड़ी सेविका के रूप में कार्यरत हैं। वहीं, उनके पिता, राम इकबाल पांडेय, पेशे से एक किसान (कृषक) हैं।

हरसिद्धि हत्याकांड का मुख्य आरोपित मदन सिंह ने कोर्ट में किया सरेंडर

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के चर्चित हत्याकांड मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित मदन सिंह ने पुलिस दबाव के चलते शुक्रवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। बताया गया है कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 464/23, दिनांक 20 जुलाई 2023 में मदन सिंह को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया था। उसके विरुद्ध धारा 341, 323, 307, 302, 504, 34 भारतीय दंड संहिता एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। अभियुक्त हरसिद्धि थाना क्षेत्र के ओल्हा वार्ड संख्या-10 निवासी जयनारायण सिंह का पुत्र बताया जाता है। पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। बढ़ती दबिश और गिरफ्तारी की आशंका के बीच अभियुक्त ने अंततः कोर्ट में सरेंडर कर दिया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ पूर्व से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उसकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार कार्रवाई कर रही थी। पुलिस दबाव बढ़ने के बाद उसने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार मदन सिंह का आपराधिक इतिहास काफी पुराना रहा है। उसके खिलाफ कोटवा एवं हरसिद्धि थाना में डकैती, हत्या के प्रयास, मारपीट, लूट, रंगदारी, चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 1990 से 2007 के बीच उस पर आठ से अधिक गंभीर आपराधिक कांड दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

शिक्षा जगत में बदलाव की नई पहल बन रहा 'टीचर्स ऑफ बिहार'

बीएनएम @ मोतिहारीः बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन और शिक्षकों के कौशल विकास को लेकर 'टीचर्स ऑफ बिहार' तेजी से एक सशक्त मंच के रूप में उभर रहा है। आज यह प्रदेश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बन चुकी है, जहाँ हजारों शिक्षक तकनीक, नवाचार और आपसी सहयोग के माध्यम से शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। संगठन के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि संस्था का उद्देश्य शिक्षकों को डिजिटल युग की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने कहा कि 'टीचर्स ऑफ बिहार' केवल एक समूह नहीं, बल्कि ऐसा विजन है जहाँ हर शिक्षक को अपनी प्रतिभा दिखाने और नई शिक्षण विधियों को सीखने का अवसर मिल रहा है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि यह मंच शिक्षकों की समस्याओं को रचनात्मक तरीके से उठाने के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को समाज के सामने ला रहा है। इवेंट लीडर केशव कुमार ने बताया कि संस्था समय-समय पर राज्य स्तरीय वेबिनार, कार्यशालाएं और नवाचारी कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ रही है। 'टीचर्स ऑफ बिहार' की प्रमुख विशेषताओं में 38 जिलों के शिक्षकों का नेटवर्क, आईसीटी एवं टीएलएम आधारित प्रशिक्षण, डिजिटल लाइब्रेरी और सकारात्मक शैक्षणिक पत्रकारिता शामिल है। संस्था की सक्रियता और रचनात्मक प्रयासों के कारण यह मंच अब राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना रहा है।

वाहन जांच के दौरान बाइक की डिक्की से शराब बरामद, चालक फरार

बीएनएम @ मोतिहारी। बीजधरी थाना क्षेत्र के मनोहर छपरा में वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में शराब बरामद किया है। हालांकि बाइक चालक पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान मोटरसाइकिल संख्या BR06CU1549 की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में बाइक की डिक्की से ऑफिसर चॉइस व्हिस्की के 35 पीस बरामद किए गए। प्रत्येक बोतल की क्षमता 180 एमएल बताई गई है। बरामद शराब की कुल मात्रा 6.300 लीटर है। पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि वाहन जांच के दौरान शराब बरामद की गई है। चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन उसकी पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हर 'पोस्ट' पर निगहबान है आंखेंः सोशल मीडिया पोस्ट पर पुलिस का शिकंजा

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में सोशल मीडिया पर बढ़ती भड़काऊ गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को जेल भेज दिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर व्यूज और लाइक पाने की होड़ अब कई लोगों के लिए मुसीबत बनती दिख रही है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाली हर पोस्ट अब साइबर टीम की निगरानी में है।

मामला भंडार गांव का है, जहां सोमवार को कलश यात्रा के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो और पोस्ट तेजी से वायरल होने लगे। आरोप है कि कुछ लोगों ने वीडियो को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की जिससे तनाव और बढ़ सकता था।

पुलिस के अनुसार, 4 मई 2026 को एक यूट्यूबर ने अपने फेसबुक अकाउंट से विवाद से जुड़ा वीडियो अपलोड किया। वीडियो में घटना को कथित तौर पर भ्रामक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। जांच के दौरान संबंधित सोशल मीडिया हैंडल की गतिविधियों को खंगाला गया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

इसी क्रम में 6 मई को बजरंग दल से जुड़े जमुनिया निवासी सचिन कुमार के खिलाफ भी ढाका थाना में मामला दर्ज किया गया। आरोप है कि उन्होंने भी विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर माहौल को प्रभावित करने की कोशिश की। पुलिस ने इसे गंभीर मानते हुए तत्काल कानूनी कार्रवाई की।

वहीं तीसरा मामला और भी संवेदनशील निकला। विश्व हिंदू परिषद के ढाका अध्यक्ष को इंस्टाग्राम के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू कर दी है और धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान में जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। साइबर टीम लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रख रही है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अफवाह, भड़काऊ पोस्ट या धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अब हर पोस्ट पर पुलिस की निगहबान आंखें टिकी हुई हैं।

जनता दरबार में पहुंचे 38 मामले, डीएम ने त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम में जिले के विभिन्न अंचलों से आए 38 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं की सुनवाई की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने की। इस दौरान अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. शिबगतुल्लाह, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जनता दरबार से ही फोन कर मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागीय स्तर से त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद एवं राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ आवेदन अग्रसारित करने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

हत्या के पुराने मामले में पूर्व महागठबंधन प्रत्याशी ने किया सरेंडर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पिपरा विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी एवं अखिल भारतीय किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष कॉमरेड राजमंगल प्रसाद ने हत्या के एक पुराने मामले में शुक्रवार को स्थानीय निचली अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के दौरान अदालत परिसर में उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। समर्थकों ने उनके पक्ष में नारेबाजी भी की। बताया जा रहा है कि जिस मामले में उन्होंने सरेंडर किया है, उसमें उनका प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध नहीं है तथा इसे राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित कार्रवाई बताया जा रहा है। राजमंगल प्रसाद के समर्थकों ने कहा कि निचली अदालत के फैसले के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील की जाएगी। उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए निष्पक्ष न्याय मिलने की उम्मीद व्यक्त की। जेल जाने से पूर्व राजमंगल प्रसाद ने कहा कि पिपरा विधानसभा की जनता जानती है कि उनका उक्त हत्या कांड से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि वे जेल से डरने वाले नहीं हैं और गरीब-मजदूरों की लड़ाई पहले की तरह आंदोलन एवं जनसंघर्ष के जरिए जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने संविधान और न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए ऊपरी अदालत से न्याय मिलने की उम्मीद व्यक्त की। घटना के बाद क्षेत्र के राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

अवैध ठेला-खोमचा हटाने की मांग, चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नगर आयुक्त आशीष कुमार से मुलाकात कर मेन रोड स्थित मीना बाजार क्षेत्र में अवैध रूप से लगाए जा रहे ठेला-खोमचा के कारण उत्पन्न अव्यवस्था एवं स्थानीय व्यवसायियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के संबंध में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त से मांग की कि नगर के मीना बाजार क्षेत्र में नियमित अतिक्रमण नियंत्रण अभियान चलाया जाए, ताकि स्थानीय व्यापारियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित व्यवसायिक वातावरण उपलब्ध हो सके। साथ ही व्यवसायियों की सुविधा के लिए ट्रेड लाइसेंस शिविर आयोजित करने का भी अनुरोध किया गया, जिससे अधिक से अधिक व्यापारी नगर निगम की प्रक्रियाओं से आसानी से जुड़ सकें। नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ट्रेड लाइसेंस शिविर इसी माह के अंत तक आयोजित किए जाने की बात कही गई। मौके पर चैंबर के महासचिव आलोक कुमार, नगर निगम प्रभारी अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता एवं पूर्व अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल उपस्थित थे। इसकी जानकारी महासचिव सह मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने दी।

हरसिद्धि में बिना रेडियोलॉजिस्ट चल रहे अपोलो अल्ट्रासाउंड सेंटर पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि बाजार में संचालित अपोलो अल्ट्रासाउंड सेंटर पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्र को सील कर दिया। अरेराज एसडीएम अंजली शर्मा के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच की, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच के दौरान पता चला कि केंद्र पर बिना अधिकृत एवं पंजीकृत रेडियोलॉजिस्ट के अल्ट्रासाउंड जांच की जा रही थी। स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार किसी भी अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन योग्य रेडियोलॉजिस्ट की उपस्थिति और आवश्यक लाइसेंस के बिना नहीं किया जा सकता। जांच टीम को दस्तावेजों में भी कई कमियां मिलीं। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सेंटर को सील कर दिया। छापेमारी टीम में दंडाधिकारी आलोक कुमार, हरसिद्धि बीडीओ गुलशन कुमार, अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, सेराज अहमद सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे। प्रशासनिक टीम की कार्रवाई के दौरान आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। छापेमारी की सूचना मिलते ही हरसिद्धि बाजार, दुधही रोड, यादोपुर रोड तथा हरसिद्धि-पकड़िया रोड स्थित कई छोटे-बड़े क्लीनिकों और नर्सिंग होम के संचालकों ने आनन-फानन में अपने प्रतिष्ठानों के शटर गिरा दिए। कई जगहों पर मरीज और उनके परिजन भी असमंजस की स्थिति में दिखे। स्थानीय लोगों के बीच पूरे दिन कार्रवाई की चर्चा होती रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में कई निजी क्लीनिक और जांच केंद्र ऐसे हैं, जहाँ नियमों की अनदेखी कर इलाज और जांच का कार्य किया जाता है। पूर्व में भी कुछ क्लीनिकों पर कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन बाद में कई संचालक डॉक्टरों के बोर्ड हटाकर दवा दुकानों की आड़ में पुनः क्लीनिक चलाने लगे हैं। इससे प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अवैध संचालन और नियमों के उल्लंघन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र के अन्य संदिग्ध क्लीनिकों और जांच केंद्रों की भी जांच की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से संचालित निजी स्वास्थ्य केंद्रों में भय का माहौल है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए युवाओं को आगे आना होगा : सत्येन्द्र कुमार मिश्र

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारीः केंद्र एवं राज्य सरकारों की नीतियों से लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है। देश में भय, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और उन्माद का माहौल लगातार बढ़ता जा रहा है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए युवा वर्ग को आगे आना होगा, अन्यथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर खतरा और गहरा जाएगा। उक्त बातें भारत की जनवादी नौजवान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने मोतिहारी प्रखंड के राम सिंह छतौनी में आयोजित पंचायत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने युवाओं से जातिवाद और सांप्रदायिकता से ऊपर उठकर समाजवाद की स्थापना के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया। सम्मेलन का अभिनंदन किसान नेता अशोक पाठक ने किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की 9 सदस्यीय पंचायत कमिटी का गठन भी किया गया। इसमें दिलीप कुमार को संयोजक, जबकि कुनाल कुमार एवं प्रेम कुमार को सर्वसम्मति से चयनित किया गया। सम्मेलन में मनोज मुखिया, राहुल कुमार, ऋषिकेश पाठक, दीपक शर्मा सहित कई लोगों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान से बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चम्पारण के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल मोतिहारी में "संगठन सृजन साथी जनसंपर्क अभियान" की तीसरी बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में संगठन को बूथ स्तर से जिला स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री राय ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कांग्रेस को नई ऊर्जा और नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को जनमानस की समस्याओं के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाने तथा स्थानीय मुद्दों को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की बड़ी ताकत है और इसी ताकत के बल पर संगठन को मजबूत करते हुए जनता की आवाज बुलंद की जाएगी। श्री राय ने पदाधिकारियों को विधानसभा एवं प्रखंड स्तर पर नियमित बैठक आयोजित करने तथा युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बिहार में पार्टी संगठन को पुनर्जीवित करने तथा आम जनता एवं कार्यकर्ताओं को डिजिटल मंच से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि "सृजन साथी जनसंपर्क अभियान" का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना एवं संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को डिजिटल माध्यम से अभियान से जोड़ने की अपील की। बैठक के दौरान भागलपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा के सड़क दुर्घटना में निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में संगठन प्रभारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, अहमद अली, राजकुमार यादव, हरि किशोर पटेल, महेन्द्र पाठक, खलीलुर्रहमान, मदन प्रसाद, अजय कुमार झा, नेयाज अहमद, अनील कुमार सिंह, अजहर हुसैन अंसारी, विश्वनाथ कुमार श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, विश्वनाथ चौरसिया, सत्येन्द्र तिवारी, रोमा खान, अवध किशोर सिंह, नवल किशोर शुक्ल, गणेश केसरी, मोख्तार आलम, रामप्रवेश तिवारी, ब्रजेश तिवारी, पप्पू रंजन मिश्रा, रवीन्द्रनाथ तिवारी, रंजन उपाध्याय, राजन सहनी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मानवता की सेवा रेड क्रॉस का मूल कार्य : डीएम

» **विश्व रेड क्रॉस दिवस पर आयोजित हुआ समारोह, डीएम- एसपी ने किया रक्तदान**

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विश्व रेड क्रॉस दिवस सह स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मोतिहारी रेड क्रॉस सोसाइटी सभागार में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, एडीएम सह लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार भारती समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अतिथियों ने रेड क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनेंट के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत बुके एवं पौधा भेंट कर किया गया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था मानवता की सच्ची मिसाल है, जो आपदा और विपदा के समय लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि संस्था को जब भी आवश्यकता होगी, प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। एडीएम शैलेंद्र कुमार भारती ने रेड क्रॉस की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि सीएसआर मद से स्टेट बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस को जनहित में संचालित किया जा रहा है। साथ ही जिले में रक्तदान जागरूकता अभियान एवं रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान डीएम एवं एसपी ने रेड क्रॉस परिसर में वृक्षारोपण किया तथा एंबुलेंस को जनसेवा के लिए समर्पित किया। मौके पर तान्या परवीन, अमित जायसवाल, शुभम गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सौरभ गुप्ता, रवि अग्रवाल एवं कौशल किशोर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मंच संचालन कौशल किशोर सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शैलेंद्र कुमार भारती ने किया।

संक्षिप्त समाचार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय से मोटर चोरी, आरओ जलापूर्ति ठप

बीएनएम @ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के लक्ष्मीपुर कलवारी टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में अज्ञात चोरों ने पानी सप्लाई के लिए लगा मोटर चोरी कर लिया। मोटर चोरी होने के बाद विद्यालय में आरओ पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है, जिससे छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अखिलेश चन्द्र ठाकुर ने तुरकौलिया थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि गुरुवार की सुबह जब वे विद्यालय पहुंचे तो मोटर गायब था और पाइप इधर-उधर बिखरा पड़ा था। घटना के बाद विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था बाधित हो गई है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय परिसर में दो चापाकल हैं, जिनमें एक पिछले कई महीनों से खराब पड़ा है, जबकि दूसरे चापाकल का पानी पीने योग्य नहीं है। ऐसे में मोटर चोरी हो जाने से परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले करीब आठ वर्ष पूर्व भी विद्यालय में चोरी की घटना हो चुकी है। तुरकौलिया थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा आवेदन के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

29 वर्षीय युवक ने फंदे से लटककर दी जान, परिजनों में शोक

पुलिस कर रही मामले की जांच

बीएनएम @ बगहा: बगहा पुलिस जिला अंतर्गत भैरोगंज थाना क्षेत्र के सहसराव गांव में एक 29 वर्षीय युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान जोगिंदर चौधरी के पुत्र सतीश कुमार के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सतीश ने अपने ही घर में फंदे से लटककर जान दे दी। जब परिजनों की नजर शव पर पड़ी, तो घर में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।घटना की सूचना मिलते ही भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केंवट पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचीं। मामले की गंभीरता और संदेहास्पद स्थिति को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा भेज दिया है। हालांकि, युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

अवैध क्लीनिकों पर प्रशासन का डंडा, तीन अस्पताल सील

बीएनएम @ सीतामढ़ी: सीतामढ़ी में अवैध स्वास्थ्य केंद्रों के विरुद्ध प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी रिची पाण्डेय के कड़े निर्देशों के बाद, गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की एक विशेष टीम ने शहर के विभिन्न हिस्सों में औचक छापेमारी की। डुमरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अक्षय कुमार के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई ने जिले के निजी क्लीनिक संचालकों के बीच हड़कंप मचा दिया है।इस अभियान के दौरान अस्पताल रोड स्थित लाइफ केयर क्लीनिक और कारगिल चौक के पास बिना नाम से चल रहे दो अन्य क्लीनिकों में भारी अनियमितताएं पाई गईं। जांच टीम ने पाया कि इन संस्थानों के पास न तो संचालन हेतु आवश्यक वैध दस्तावेज थे और न ही ये स्वास्थ्य मानकों को पूरा कर रहे थे। परिणामस्वरूप, प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से इन तीनों केंद्रों को सील कर दिया।इसके साथ ही, टीम ने 'मां तारा अस्पताल' का भी निरीक्षण किया और प्रबंधन को 24 घंटे के भीतर सभी अनिवार्य कागजात प्रस्तुत करने का अल्टीमेटम दिया है। डॉ. अक्षय कुमार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी फर्जी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा।

गर्भवती भाभी की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ शेखपुरा: पटना के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बरबीघा नगर क्षेत्र के सामाचक मोहल्ले से हत्या के आरोपी बबलू पासवान उर्फ कारू पासवान को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर अपनी ही गर्भवती भाभी की निर्मम हत्या का आरोप है और वह पिछले एक वर्ष से कानून की नजरों से फरार चल रहा था।मिशन थाना अध्यक्ष आदित्य रंजन के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना पिछले साल बच्चों के आपसी विवाद के दौरान हुई थी। आरोप है कि विवाद के बीच बबलू पासवान ने अपनी गर्भवती भाभी के पेट पर प्रहार कर दिया था, जिसके बाद गंभीर स्थिति में पटना में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में आरोपी के खिलाफ स्थानीय थाने में हत्या की प्राथमिकी दर्ज थी।घटना के बाद आरोपी गुजरात भाग गया था और वहीं छिपकर रह रहा था। बुधवार को जैसे ही वह घर लौटा, एसटीएफ की टीम ने मोबाइल टावर लोकेशन के आधार पर उसे दबोच लिया। आरोपी की लंबे समय से गिरफ्तारी न होने के कारण न्यायालय ने उसके विरुद्ध इस्तेहार वारंट भी जारी कर रखा था। गिरफ्तारी के पश्चात उसे पुलिस निगरानी में शेखपुरा जेल भेज दिया गया है।

पुपरी में पुलिस ने युवाओं को किया जागरूक

बीएनएम @ सीतामढ़ी :- सीतामढ़ी जिले के पुपरी स्थित अन्नपूर्णा हरदेव सहदेव उच्च विद्यालय में शुक्रवार को सामाजिक सुधार और सुरक्षा को लेकर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, और बाल विवाह जैसी कुरीतियों के प्रति सचेत करना था। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए युवाओं को बताया कि जागरूकता ही सुरक्षित समाज का आधार है।इसके अतिरिक्त, आधुनिक दौर की गंभीर चुनौती 'साइबर फ्रॉड' से बचाव के लिए छात्रों को सोशल मीडिया और ऑनलाइन लेनदेन में सतर्क रहने के व्यावहारिक टिप्स दिए गए। परशुराम सिंह, दीपक पटेल और भवानी कुमारी सहित विद्यालय के शिक्षकों की उपस्थिति में छात्रों से अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाना है।

राष्ट्रीय रग्बी खिलाड़ी ने प्रशिक्षक पर लगाया यौन शोषण का आरोप

बीएनएम @ पटना : मुजफ्फरपुर से खेल जगत को कलंकित करने वाला एक अत्यंत गंभीर मामला प्रकाश में आया है। बिहार की ओर से दो बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले चुकी एक १७ वर्षीय नाबालिग रग्बी खिलाड़ी ने अपने ही प्रशिक्षक राहुल कुमार महतो पर यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म के प्रयास और प्राणघातक धमकी देने का संगीन आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक उसे अकेले मिलने का दबाव बनाता था और विरोध करने पर उसका खेल जीवन समाप्त करने की धमकी देता था। खिलाड़ी के अनुसार, इस मानसिक प्रताड़ना के डर से लगभग १५ अन्य बालिकाओं ने भी प्रशिक्षण छोड़ दिया है।चिंताजनक विषय यह है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज होने के डेढ़ माह पश्चात भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी उसे और उसके परिवार को फोन पर जान से मारने की धमकियाँ दे रहा है। साक्ष्य के रूप में पुलिस को अश्लील संवाद की ध्वन्यात्मक रिकॉर्डिंग (ऑडियो) भी सौंपी गई है। इस प्रकरण पर पुलिस पदाधिकारी अनिमेश चंद्र ज्ञानी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के आदेश दे दिए गए हैं और उसकी खोज में निरंतर छापेमारी की जा रही है।

पुलिस पर हमला मामले के दो अभियुक्त गिरफ्तार, एक 10 वर्षों से था फरार

बीएनएम @ हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि/मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में पुलिस पर हमला मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्तों को पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में मोहनलाल सहनी एवं भदई राम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 272/16 में पुलिस हमला मामले के प्राथमिक अभियुक्त मोहनलाल सहनी, स्वर्गीय मंगल सहनी का पुत्र एवं पानापुर गांव निवासी है। वह पिछले दस वर्षों से फरार चल रहा था। लगातार छापेमारी और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। वहीं, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 228/26 में दर्ज पुलिस हमला मामले के प्राथमिकी अभियुक्त भदई राम, स्वर्गीय बागर राम का पुत्र एवं दनही गांव निवासी को भी गिरफ्तार किया गया है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर छापेमारी कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। लगातार हो रही गिरफ्तारी से फरार अभियुक्तों में हड़कंप का माहौल है।

मच्छरगांवा में सामूहिक विवाह को लेकर तैयारियां तेज

बीएनएम @ योगापट्टी

योगापट्टी: पश्चिमी चंपारण के योगापट्टी प्रखंड अंतर्गत मच्छरगांवा स्थित ठाकुर धाम मंदिर परिसर एक बार फिर मानवता और सामाजिक समरसता का गवाह बनने जा रहा है। आगामी 12 मई को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में 14 गरीब कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। इस आयोजन की सफलता के लिए श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया जयप्रकाश प्रसाद ने की। उन्होंने बताया कि समिति वर्ष 2010 से लगातार कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मान दिलाने का कार्य कर रही है, जिसमें स्थानीय विधायक विनय बिहारी का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है।समारोह को भव्य बनाने के लिए प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, पेयजल और साफ-सफाई के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि उत्सव में कोई व्यवधान न आए। समिति के सदस्यों के बीच जिम्मेदारियां बांट दी गई हैं और स्थानीय लोगों में भी इस गरिमामयी आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

अनियंत्रित होकर पलटी बस, एक की मौत और 20 से अधिक घायल

कोहराम के बीच ग्रामीणों ने बचाई कई जानें, महिलाओं की संख्या ज्यादा

» स्थानीय लोगों ने निजी वाहनों से घायलों को पहुँचाया अस्पताल
» दुर्घटनाग्रस्त बस जब्त, जांच शुरू

बीएनएम @ पटना

पटना। रोहतास जिले के सासाराम में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। यह दर्दनाक घटना परसथूआ थाना क्षेत्र के अंतर्गत शेख बहुआरा गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-319 पर घटित हुई। यात्रियों से खचाखच भरी एक बस, जो कोचस की दिशा से अत्यंत तीव्र गति में आ रही थी, अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस भयावह दुर्घटना में एक यात्री की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि २० से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में महिलाओं की संख्या अधिक है, जिससे चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन की गति अत्यधिक होने के कारण चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना के तत्काल पश्चात स्थानीय ग्रामीणों ने अद्भुत मानवता और साहस का परिचय देते हुए राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर बस को सीधा किया और भीतर फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। कई घायलों को निजी वाहनों की सहायता से समीप के चिकित्सालयों में पहुँचाया गया। बाद में प्रशासनिक अमला और पुलिस दल भी घटना स्थल पर पहुँचा।पुलिस प्रशासन ने बताया कि इस दुर्घटना में मृत व्यक्ति की पहचान कैमूर जिले के सवार क्षेत्र निवासी भिखी सिंह के रूप में की गई है। प्रशासन ने शव को विच्छेदन (पोस्टमार्टम) के लिए भेजकर परिजनों को सूचित कर दिया है। वर्तमान में घायलों का उपचार विभिन्न सरकारी और निजी चिकित्सालयों में चल रहा है, जिनमें से कुछ की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने अधिकार में ले लिया है और प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार एवं लापरवाही को ही इस दुखद घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस घटना के उपरांत स्थानीय नागरिकों में सड़क सुरक्षा मानकों और यातायात प्रबंधन को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से ऑटो चालक की मौत

एनएच-22 जाम

बीएनएम @सीतामढ़ी

सीतामढ़ी: सीतामढ़ी जिले के डुमरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-22 पर एक भीषण सड़क हादसे में सीएनजी ऑटो चालक की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना लगमा लाइन होटल के समीप घटित हुई, जहाँ एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चालक की मौके पर ही जान चली गई, जिसकी पहचान शिवाई पट्टी निवासी एहसान के रूप में हुई है।हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए। विरोध स्वरूप प्रदर्शनकारियों ने एनएच-22 पर टायर जलाकर करीब एक घंटे तक सड़क जाम कर दी। इस विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।घटना की सूचना पाकर डुमरा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार अज्ञात ट्रक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर वीरगंज में विविध कार्यक्रम, विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री व पोशाक वितरण

बीएनएम @रक्सौल/वीरगंज

रक्सौल/वीरगंज: विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर नेपाल रेडक्रॉस सोसाइटी पर्सा शाखा द्वारा गुरुवार को वीरगंज स्थित शाखा भवन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर दिवस मनाया गया। मानवता, सेवा और परोपकार के प्रतीक रेडक्रॉस के संस्थापक जाँ हेनरी डयुनाँ को स्मरण करते हुए झंडोत्तोलन, दीप प्रज्वलन एवं उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेपाल रेडक्रॉस सोसाइटी बीरगंज शाखा के सभापति बृज किशोर पटेल ने की। इस दौरान उपाध्यक्ष मधु राणा, कार्यकारिणी सदस्य दीनानाथ रौनियार, मुना खनाल, रेशमकोठी उपशाखा के अभिलाष गुप्ता, राजन श्रीवास्तव, लक्ष्मीनारायण राउत, बाबुनंद चौरसिया, मिना क्षेत्री तथा कार्यालय प्रमुख बिरसमसेर कुर्मी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने रेडक्रॉस द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में निभाई जा रही भूमिका और योगदान पर विस्तार से चर्चा की तथा मानवता की सेवा के लिए निरंतर समर्पित रहने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर पर्सा जिले के लक्ष्मीपुर स्थित रेडक्रॉस प्रावि विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरण की भी घोषणा की गई। छात्रों को कॉपी, पेन, पेंसिल, लेजर, कटर समेत अन्य स्टेशनरी सामग्री के साथ पैंट एवं शर्ट उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोजन के माध्यम से सामाजिक सेवा, शिक्षा और मानवता की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया गया।

घर में घुसा तेंदुआ, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बीएनएम @बगहा

बगहा : बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से निकलकर रिहायशी इलाकों में आतंक मचाने वाला तेंदुआ अब सीमा पार कर उत्तर प्रदेश के कुम्हिया मिश्रा टोला गांव पहुंच गया है। तेंदुए की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ताजा जानकारी के अनुसार, तेंदुआ भैरोगंज थाना क्षेत्र में एक घर के भीतर घुस गया। गनीमत यह रही कि घर के सदस्य समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे और उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए तेंदुए को कमरे के अंदर ही कैद कर दिया।तेंदुए के रेस्क्यू के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश के वन विभागों ने संयुक्त मोर्चा संभाला है। बगहा और मदनपुर वन क्षेत्र की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यूपी वन विभाग की टीम के साथ मिलकर सुरक्षित रेस्क्यू की योजना बना रही हैं। बगहा रेंजर श्रीमान मालाकार ने पुष्टि की है कि तेंदुए का लोकेशन ट्रेस कर लिया गया है और वह घर के भीतर बंद है, जिससे फिलहाल किसी व्यक्ति को सीधा खतरा नहीं है।इससे पूर्व, गुरुवार को इस तेंदुए ने पिपरासी क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया था। खेत से लौट रहे ग्रामीणों पर हमला कर उसने तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायलों में 25 वर्षीय रवीना खातून, 56 वर्षीय धानमति देवी और 35 वर्षीय मनोज शर्मा शामिल हैं। घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और वन विभाग की टीम तेंदुए को ट्रेंकुलाइज कर वापस जंगल भेजने की तैयारी में जुटी है।

पीएमसीएच में बुजुर्गों के लिए 60 बेड वाले विशेष अस्पताल का होगा निर्माण

अप्रैल महीने में 5000 से अधिक सफल ऑपरेशन का बनाया रिकॉर्ड

बीएनएम @ पटना

पटना: पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों के विशेष इलाज के लिए 60 बिस्तरों वाले एक समर्पित अस्पताल के निर्माण का निर्णय लिया है। जेरियाट्रिक विभाग के विशेषज्ञ डॉ. अभय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में इस योजना को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 65 वर्ष से अधिक आयु के रोगियों को एक ही छत के नीचे विशेषज्ञ परामर्श और उपचार प्रदान करना है। वर्तमान में यहाँ प्रतिदिन 50 से 60 बुजुर्गों की बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में जांच की जा रही है, लेकिन नए अस्पताल के बनने से उन्हें आधुनिक उपकरणों और विशिष्ट देखभाल की सुविधा मिल सकेगी।भीषण गर्मी की चुनौतियों को देखते हुए अधीक्षक डॉ. राजीव सिंह ने मरीजों की सुविधा के लिए पंजीकरण काउंटर और आपातकालीन क्षेत्र के पास बड़े शेड लगाने के निर्देश दिए हैं। इससे कतारों में खड़े लोगों को चिलचिलाती धूप से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त, परिसर में स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए पांच नए वाटर कूलर लगाए गए हैं।अस्पताल की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अप्रैल 2026 में पीएमसीएच ने एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए रिकॉर्ड 5096 सफल ऑपरेशन किए और लगभग 1196 अल्ट्रासाउंड जांचें पूरी कीं। यह पहल न केवल बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले निर्धन और बुजुर्ग मरीजों के लिए इलाज की प्रक्रिया को अधिक सुलभ, पारदर्शी और मानवीय बनाएगी।

सीओ डौली झा की वापसी और नई उम्मीदें

बीएनएम @ सीतामढ़ी

सीतामढ़ी: सीतामढ़ी के डुमरा अंचल की प्रशासनिक कमान एक बार फिर डौली झा ने संभाल ली है। बतौर सीओ उनके दोबारा पदभार ग्रहण करते ही अंचल कार्यालय में उत्सव सा माहौल दिखा, जहाँ कर्मियों ने फूल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। डौली झा को उनके सख्त प्रशासनिक कौशल और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जाना जाता है। कर्मियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में राजस्व और भूमि सुधार कार्यों को पुनः गति मिलेगी।हालांकि, उनकी यह वापसी चर्चाओं में भी है, क्योंकि पूर्व में उन्हें कार्य में लापरवाही और कथित अनियमितताओं के आरोपों में निलंबित किया गया था। इन विवादों के बावजूद, कार्यालय में उनके प्रति भारी उत्साह देखा गया। डौली झा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का संकल्प दोहराया है। अब देखना होगा कि उनका यह दूसरा कार्यकाल क्षेत्र के विकास और पारदर्शिता के मानकों पर कितना खरा उतरता है।

जनसुनवाई में ऑन-द-स्पॉट समाधान

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया : पश्चिमी चंपारण के जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय में आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने जनता की समस्याओं को अत्यंत गंभीरता से सुना। 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों ने अपनी व्यथा सुनाई। सुनवाई के दौरान कुल 95 मामले सामने आए, जिनमें भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और बिजली-पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख थीं।जिलाधिकारी ने न केवल शिकायतों को सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान के कड़े निर्देश भी दिए। कई संवेदनशील मामलों का जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जिससे आवेदकों को तत्काल राहत मिली। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन और अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा सहित जिले के तमाम वरीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

आम मरीजों के हक की रक्षा

ये नहीं कहा जा सकता कि आवश्यक दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइंसाफी होती है। फिर भी दवा कंपनियों ने 2013 से ही मूल्य नियंत्रण आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट के एक निर्णय के परिणामस्वरूप बहुत-सी जरूरी दवाएं मूल्य नियंत्रण की श्रेणी से बाहर हो जाएंगी। कोर्ट ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश- 2013 की भाषा में मौजूद खामियों का लाभ दवा कंपनियों को दिया है। उसने कहा कि मूल्य संबंधी विनियमों को उन दवाओं पर लागू नहीं किया जा सकता, जिनका स्पष्ट रूप से उपरोक्त आदेश में उल्लेख नहीं है। सरकार इसी आदेश के तहत आवश्यक औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) बनाती है, जिनकी मनमाने ढंग से कीमत नहीं बढ़ाई जा सकती। विशेषज्ञों के मुताबिक इस व्यवस्था को नाकाम करने के लिए कंपनियां मूल दवा में मामूली हेरफेर कर उसके नए संस्करण बनाती रही हैं। ये दवाएं अलग नाम से बाजार में उतारी जाती हैं। अब तक 2013 के आदेश की भावना के अनुरूप सरकार ऐसी दवाओं को एनएलईएम में शामिल करती आई है। फिलहाल, इस सूची में 348 दवाएं हैं, जिनके सभी संस्करण (खुराक मात्रा और पॉवर के रूप में) उस सूची में शामिल हैं। अब ये सूरत बदल सकती है। हालांकि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में जाने का विकल्प है, लेकिन आशंका है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्टे नहीं दिया, तो बीच की अवधि में बहुत-सी दवाएं आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाएंगी। इसलिए जरूरी है कि सरकार भाषा की खामियों को दुरुस्त करते हुए 2013 के आदेश को नए सिरे जारी करे। यहां उल्लेखनीय है कि कंपनियों को एनएलईएम के तहत आने वाली दवाओं की कीमत साल में एक बार बढ़ाने का अधिकार 2013 के आदेश के तहत मिला हुआ है। गुजरे वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर वे इनके दाम बढ़ाती रही हैं। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसी वृद्धि का तर्क उन्हें पेश करना पड़ता है, जिस पर सरकार की नज़र रहती है। अतः ये नहीं कहा जा सकता कि इन दवाओं के मामले में कंपनियों से कोई नाइंसाफी होती है। लेकिन दवा कंपनियों ने 2013 से ही उपरोक्त आदेश के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रखी है। अब उन्हें एक न्यायिक सफलता मिली है। मगर सरकार को यह याद रखना चाहिए कि आम मरीजों के हक की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है।

चुनाव आयोग के साथ न्याय पालिका की साख संकट में ?

सनत कुमार जैन

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं। चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक दलों, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, द्वारा घोषित परिणाम स्वीकार नहीं किये हैं। इस बार का मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा। आम जनता के बीच में भी आयोग की विश्वसनीयता को लेकर पश्चिम बंगाल में संशय गहरा गया है। पिछले दो वर्षों से चुनाव आयुक्त की कार्य प्रणाली को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। उनमें प्रमुख विवाद "गोपनीयता" का है। चुनाव आयोग पहले सभी राजनैतिक दलों से परामर्श करके, चुनाव की सारी व्यवस्था करता था। मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जातीथी। पिछले कुछ वर्षों में जबचुनाव आयुक्त राजीव कुमार बने। उसके बाद से चुनाव आयोग की यह व्यवस्थाएं बदल गई जिसके कारण चुनाव आयोग पर संदेह लगातार गहराता जा रहा है। मतदाता सूची, मतदान प्रतिशत और मतगणना से जुडी जानकारी को सार्वजनिक करने के स्थान पर चुनाव आयोग द्वारा गोपनीयता बरती जा रही है।उसने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगा है। लोकतंत्र में सूचना का अधिकार नागरिकों का मूल अधिकार है। जब चुनाव जैसी संवेदनशील जानकारी को गोपनीयता के दायरे में लाया जा रहा है। उसके बाद संदेह स्वाभाविक रूप से बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग द्वारा नियमों में बार-बार मनमाने तरीके से बदलाव किया जा रहा है। जिसका अधिकार चुनाव आयोग को न होकर संसद के पास है।तब यह संदेह और भी गहरा जाता है। चुनाव अधिसूचना जारी हो जाने के बाद, जिस तरह से चुनाव आयोग की मनमानी और पक्षपात शुरू हो जाती है। जहां डबल इंजन की सरकार है। उनके लिए अलग नियम जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वहां पर अधिकारियों की नियुक्तियों एसआईआर को लेकर भी विवाद सामने आए हैं। उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर बड़ा संदेह उत्पन्न कर दिया है। चुनाव आयोग का दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है। हर पक्ष को समान अवसर तथा चुनाव लड़ने वाले सभी राजनैतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के साथ बराबरी का निष्पक्षता के साथ व्यवहार हो। पश्चिम बंगाल के चुनाव में लाखों की संख्या में अर्धसैनिक बलों की तैनाती इस बार गंभीर विवाद का विषय बना है। भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों को बड़े पैमाने पर बंगाल की डियूटी में लगाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से यह आवश्यक बताया गया। वहीं विपक्षी दलों द्वारा इसे "इच्छित परिणाम" की दिशा में चुनाव आयोग की मिली भगत बताया गया। भाजपा की शिकायतों पर त्वरित रूप से चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई की गई। विपक्षी दलों द्वारा चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन

को लेकर जो शिकायतें की गई। उनका चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इस बात का आरोप टीएमसी से लेकर सभी विपक्षी दलों द्वारा सभी राज्यों में लगाया जा रहा है। महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि के विधानसभा और लोकसभा 2024 के चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर समय-समय पर गड़बड़ी किए जाने के आरोप भी लगाए गये हैं।

चुनाव आयोग ने ना तो इस तरह के आरोपों एवं आपत्ति पर ना कोई सफाई दी ना जांच कराई। विपक्ष को इसका कोई उपयुक्त जवाब नहीं मिला, जिसके कारण अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर आम जनता के मन में भी शंका होने लगी। क्या कारण है, कि चुनाव आयोग सभी जानकारियों को छिपाना और गोपनीय रखना चाहता है। एसआईआर और चुनाव आयोग द्वारा समय समय पर नियमों में जो बदलाव किये। उसको लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी उठाकर न्याय प्राप्त करने की चेष्टा की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया, चुनाव आयोग को विशेष अधिकार प्राप्त हैं। ऐसी स्थिति में वह अभी कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे। जिसके कारण चुनाव आयोग की भूमिका का यह मामला तूल पकड़ता चला जा रहा है। राजनीतिक दलों से उठकर एसआईआर में लाखों मतदाताओं के नाम कटने से यह मामला आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। चुनाव को लेकर, यदि जनता के मन में यह बैठ जाए, कि चुनाव निष्पक्ष नहीं है। तो इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है। लोकतंत्र व्यवस्था के लिए अत्यंत खतरनाक संकेत है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून का मामला सुप्रीम कोर्ट में पिछले दो वर्षों से लंबित है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी सुनवाई शुरु की है। पिछले 10 महीने से चुनाव आयोग के निर्णय और एसआईआर को लेकर मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इस मामले में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। एसआईआर संवैधानिक है, या नहीं, इसको लेकर संवैधानिक विशेषज्ञों की अलग-अलग राय हैं। इसी बीच विधान सभाओं के भी चुनाव होते जा रहे हैं। अभी तक एसआईआरे में 5 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। इसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। इसके बाद भी राजनैतिक दलों और मतदाताओं को सुप्रीम कोर्ट से न्याय नहीं मिल पा रहा है। उसको लेकर अब आम जनता के बीच में भी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। नागरिकता साबित करने के लिए आम गरीब मतदाताओं को चुनाव आयोग और ट्रिब्यूनल के चक्कर लगाने पड़े। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया वर्तमान में विवादित है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को निर्णयों की निष्पक्षता पर संदेह होना स्वाभाविक है। पिछले 75 वर्षों में भारत के चुनाव आयोग ने कई जटिल परिस्थितियों में सफलतापूर्वक चुनाव कराए हैं। चुनाव आयोग की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर में सबसे बेहतर थी। वर्तमान परिस्थितियों मे चुनाव आयोग को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना, चुनाव से संबंधित सभी जानकारियों को सार्वजनिक करना, चुनाव प्रक्रिया को स्पष्ट और न्यायसंगत बनाना चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के लिए भी जरूरी हो गया है। संसद में चुनाव आयुक्त के खिलाफ यदि महाभियोग प्रस्ताव आ जाता है। यह बहुत गंभीर स्थिति है। यह अलग बात है , दोनों सदनों ने महाभियोग प्रस्ताव को अस्वीकर कर दिया है। इससे चुनाव आयोग पर मिलीभगत और सरकार के दबाव में काम करने के जो आरोप लग रहे है। वह खत्म नहीं हुए। बल्कि यह माना जाने लगा , चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उसे सरकार और भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। भारत में संविधान और लोकतंत्र के प्रति आस्था बनाए रखना है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग को साख को फिर से मजबूत बनाना होगा। चुनाव आयोग केवल एक संस्था नहीं है। लोकतंत्र की आत्मा का प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों की स्वतंत्रता बनाए रखने का काम चुनाव आयोग करता है। उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो यह एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक बड़ा संकट बन जाता है।इस मामले में न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। वह संविधान और कानून का पालन कराने में अपनी शक्ति और भूमिका का सही ढंग से पालन करे। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल इत्यादि पड़ोसी देशों में जिस तरह की प्रतिक्रिया आम जनता की देखने में आई है। समय की मांग है, चुनाव आयोग आयोग चुनौतियों का सामना और जवाबदेही के साथ चुनाव कराये। जनता का विश्वास, चुनाव आयोग पर बहाल हो। न्यायपालिका को भी अपनी जिम्मेदारी को समझाना होगा। पिछले 10 महीने में न्यायपालिका की जो भूमिका देखने को मिली है। उसके बाद यह धारणा बनने लगी है, अप्रत्यक्ष समर्थन कहीं ना कहीं न्यायपालिका से भी चुनाव आयोग को मिल रहा है। यदि यह संदेश गया, तो स्थिति आगे चलकर खतरनाक हो सकती है। समय रहते न्यायपालिका को विवादों को त्वरित रुप से सुलझाने के लिए आगे आना होगा। तारीख पर तारीख की आम जनता के बीच तीव्र प्रतिक्या देखने को मिल रही है। जो न्याय पालिका की साख को कमजोर कर रही है।

पं बंगाल में शांति व्यवस्था को अराजकता हिंसा की चुनौती

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत के बाद जिस तरह की हिंसा और तोड़फोड़ की वारदातों की झड़ी लगी है बेशक वो टीएमसी के दबंगई भरे डेढ़ दशक के खिलाफ लोगों की नाराजगी और टीएमसी कार्यकर्ताओं की सत्ता छिटकने की हताशा की प्रतिक्रिया हो सकता है लेकिन दोनों राजनीतिक दलों को संयम और समझदारी और सदाचार बनाए रखने की जरूरत है। भाजपा को भाजपा बनाए रखने के लिए इस तरह की अराजकता फैलाने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना ही होगा हालांकि यह हिंसा एकतरफा नही है जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या की है वह बताता है कि हिंसा और अराजकता का दौर अभी थमने वाला नहीं है। कानून व्यवस्था की स्थिति को सख्ती से सुधारना होगा चुनाव बाद हिंसा में चार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

मौजूदा चुनाव नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था।उधर कोलकाता में राज्य के पुलिस डीजीपी ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद आरही हिंसक वारदातों पर उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी जारी की है दो सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार लोगों की हिंसा में मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि घटना रात 10 बजे से 10:15 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि हमले के समय गाड़ी की अगली सीट पर चंद्रनाथ रथ और उनका ड्राइवर मौजूद थे। पीछे की सीट पर मिंटू नाम का एक व्यक्ति बैठा था, जिसे चंद्रनाथ रथ का करीबी बताया जा रहा है।सूत्रों के मुताबिक जिस सिल्वर रंग की गाड़ी के जरिए चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया, उस गाड़ी के चेसिस नंबर मिटा दिए गए थे। यानि हमलावरों ने बहुत बारीकी से इस पूरे हत्याकांड की तैयारी की थी। जांच के फोकस में एक सिल्वर रंग की गाड़ी है, जिससे चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया था। रात तकरीबन 10 बजकर 20 मिनट पर चंद्रनाथ रथ की गाड़ी मेन हाईवे से उनके घर की गली की तरफ मुड़ी और घर से केवल 100 मीटर की दूरी पर इस गाड़ी को हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी के सामने लगा दिया। इसके बाद बाइक पर सवार एक हमलावर जिसने कैप पहनी हुई थी, उतरता है और ताबड़तोड़ 4 राउंड फायरिंग की। जिसमें से 3 राउंड रथ के सीने में लगा जिससे उनकी मौत हो गई और उनके ड्राइवर की हालत नाजुक है।

गौर करने वाली बात है कि चंद्रनाथ रथ वही शख्स हैं, जिन्होंने पिछले दिनों चुनाव के दौरान शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई जगह देखे गए थे। जब ममता बनर्जी भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। चंद्रनाथ रथ (42) बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक थे। चंद्रनाथ, शुभेंदु गृह के जिले पूर्वी मिदनापुर के चांदीपुर के रहने वाले थे। चंद्रनाथ भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्होंने साल 2019 में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक के तौर पर काम शुरू किया था, जब शुभेंदु ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री थे। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल चुनाव की मतगणना से ठीक तीन दिन पहले 30 अप्रैल को जब ममता बनर्जी शाख़ावत मेमोरियल हाई स्कूल स्थित भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। शुभेंदु अधिकारी की गैर-मौजूदगी में वे मतगणना केंद्र के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, क्योंकि शुभेंदु उस रात पूर्वी मिदनापुर स्थित अपने गृह नगर कांथी के लिए रवाना हो चुके थे।

जैसा कि आप जानते हैं कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई ख़बरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की हत्या तब कर दी गई, जब वह न्यू टाउन में पार्टी की जीत की रैली में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। हावड़ा के उदयनारायणपुर में भाजपा कार्यकर्ता यादव बार की हत्या कर दी गई। टीएमसी के प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने कहा, अब तक हमारे दो कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है, एक बीरभूम में और दूसरा कोलकाता में। बीरभूम में, पीड़ित की पहचान पार्टी सदस्य अबीर शेख के रूप में हुई, जबकि बेलेघाटा में टीएमसी कार्यकर्ता बिस्वजीत पटनायक की हत्या कर दी गई पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ये मौतें राजनीति से जुड़ी थीं या नहीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर बात की, कहा कि कम से कम दो मामले राजनीतिक नहीं थे।अधिकारी ने कहा, शुरुआती जांच से पता चलता है कि हावड़ा में हुई हत्या राजनीतिक नहीं थी। यह निजी दुश्मनी के कारण हुई थी। बेलेघाटा में, पीड़ित छत से कूद गया, जब कुछ लोग उसे ढूंढते हुए उसके दरवाजे पर आए और वह भागने की कोशिश कर रहा था।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने कहा, कोलकाता के हॉग मार्केट में बुलडोजर से जुड़ी जो घटना हुई है, उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, एक हत्या हुई है, लेकिन यह गैंगवार का मामला है। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा, चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात केंद्रीय पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सुनिश्चित करें। उधर पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया। हुमांयू कबीर ने आरोप लगाया कि 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुर्शिदाबाद जिले में बड़े पैमाने पर राजनीतिक रूप से प्रेरित और सुनियोजित हिंसा हुई है। अदालत में दायर याचिका में कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के घरों में तोड़फोड़ की गई और उनके कार्यकर्ताओं को पीटा गया। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ में मामला दायर कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पश्चिम बंगाल में 2026 के चुनावी नतीजों के बाद जिस तरह की हिंसा सामने आई है, वह केवल कुछ बिखरी हुई घटनाओं का सिलसिला नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक संस्कृति के एक गहरे और जटिल संकट का संकेत है। यह परिघटना नई नहीं है; 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद भी इसी प्रकार की हिंसा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा को गंभीर रूप से आहत किया था। किंतु इस बार स्थिति और अधिक विडंबनापूर्ण है, क्योंकि चुनाव अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए थे और केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती ने मतदान प्रक्रिया को काफी हद तक निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त बनाए रखा था। इसके बावजूद नतीजों के बाद अचानक भड़की हिंसा यह प्रश्न खड़ा करती है कि समस्या केवल चुनावी प्रक्रिया में है, या उससे कहीं अधिक गहराई में—समाज और राजनीति की संरचना में निहित है।टीएमसी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा न देने की बात कर अपने कार्यकर्ताओं को राज्य में असंतोष और अराजकता के लिए आगाह किया है राज्य में कानून व्यवस्था और सद्भाव बनाए रखने के लिए महती प्रयास करने की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वर्क प्लेस पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मिलेगी। आज किसी मित्र से मुलाकात आपको खुशी देगी। आज आप शाम किसी बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं जहां आपकी मुलाकात किसी रिश्तेदार से होगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। करीबी दोस्त या रिश्तेदार आपकी समस्या का समाधान निकालेगा। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना लें। आज किसी भी प्रकार का अनुचित काम आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपको बहुत अधिक लाभदायक रहेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप किसी काम करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनाएंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा। अगर आप नया काम शुरू करने जा रहे हैं तो माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही शुरू करें, आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज आपका कई दिनों से रुका काम पूरा हो जायेगा, जिससे मन प्रसन्न होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनाए रखेंगे, आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आज दूसरों के मामले में दखलंदाजी से बचना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। बेहतर रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय से पूरा हो जाएगा। शि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं। आपके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद विवाद निपटने से घर में सुकून और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भावनाओं का भी ख्याल रखेंगे। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना रिश्तों में मधुरता लाएगा। प्रोफेशनल वर्क सिस्टम में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आएंगे।

सीमा से पूंजी तक सख्तीः राष्ट्रीय सुरक्षा के नए दौर में भारत का स्पष्ट संदेश-भरोसे से पहले सतर्कता जरूरी

कांतिलाल मांडोत

भारत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी आर्थिक नीतियां अब केवल विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण से संचालित होंगी। विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों में हालिया सख्ती इसी दिशा में उठाया गया एक ठोस कदम है, जो न केवल आर्थिक ढांचे को सुरक्षित बनाने की कोशिश है, बल्कि उन खतरों के प्रति जागरूकता भी दर्शाता है जो सीमाओं के पार से अदृश्य रूप में देश में प्रवेश कर सकते हैं। पाकिस्तान से आने वाले निवेश पर सीधी पाबंदी और सरकार की पूर्व अनुमति को अनिवार्य बनाना इसी सोच का हिस्सा है। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी है। वर्षों से भारत आतंकवाद, घुसपैठ और आर्थिक गतिविधियों के जरिए अस्थिरता फैलाने के प्रयासों का सामना करता रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि निवेश जैसे संवेदनशील माध्यमों का दुरुपयोग न हो। पैसा केवल विकास का साधन नहीं होता, वह प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम भी बन सकता है। यदि उस पर निगरानी न हो, तो यह राष्ट्रीय हितों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। सरकार का यह निर्णय खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। जिन देशों की भारत के साथ भूमि सीमा लगती है, उन सभी के लिए यही नियम लागू होंगे। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी निवेश, चाहे वह सीधे आए या किसी तीसरे देश के जरिए, उसकी पूरी जांच होगी। 'बेनिफिशियल ओनर' यानी वास्तविक मालिक की पहचान पर जोर देकर सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि निवेश के पीछे छिपे वास्तविक स्रोत को उजागर किया जा सके। इस कदम के पीछे की सबसे बड़ी चिंता राष्ट्रीय सुरक्षा है। रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्र केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील हैं। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का विदेशी हस्तक्षेप, खासकर उन देशों से जिनके साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं, जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए इन क्षेत्रों में पाकिस्तान से निवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना एक स्वाभाविक और आवश्यक निर्णय माना जा सकता है। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान ने कई बार भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष तरीकों का सहारा लिया है। आतंकवाद को समर्थन, हवाला के जरिए फंडिंग, और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देना—ये सब ऐसे उदाहरण हैं जिनके कारण भारत को हमेशा सतर्क रहना पड़ा है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि आर्थिक निवेश के जरिए कोई खतरा नहीं होगा, वास्तविकता से आंख मूंदने जैसा होगा। इसलिए यह जरूरी है कि हर निवेश को केवल आर्थिक अवसर के रूप में न देखा जाए, बल्कि उसके संभावित प्रभावों का भी आकलन किया जाए। यहां यह समझना भी जरूरी है कि भारत का यह कदम किसी देश के खिलाफ नफरत या भेदभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक और सुरक्षा-केंद्रित नीति है। हर देश अपने हितों की रक्षा के लिए ऐसे कदम उठाता है। अमेरिका, चीन और यूरोप के कई देश भी संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशी निवेश को लेकर सख्त नियम रखते हैं। ऐसे में भारत का यह निर्णय वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप ही है। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत को अब भावनात्मक नहीं, बल्कि यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों का इतिहास विश्वास से अधिक अविश्वास का रहा है। हर बार जब संवाद और सहयोग की बात हुई, किसी न किसी रूप में विश्वास को ठेस पहुंची। ऐसे में आर्थिक संबंधों में भी सतर्कता बरतना आवश्यक हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। ऐसे में यह जरूरी है कि निवेश के दरवाजे खुले रहें, लेकिन उन पर मजबूत चौकीदारी भी हो। यह संतुलन ही भारत को सुरक्षित और मजबूत बनाएगा। सरकार का यह कदम इसी संतुलन को स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि देश के भीतर आर्थिक पारदर्शिता और निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जाए। केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं होता, उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। हवाला जैसे अवैध माध्यमों पर कड़ी नजर रखना, संदिग्ध लेन-देन की पहचान करना और समय रहते कार्रवाई करना—ये सब ऐसे उपाय हैं जो इस नीति को सफल बनाएंगे। आज का दौर केवल पारंपरिक युद्धों का नहीं है, बल्कि आर्थिक और साइबर युद्धों का भी है। ऐसे में निवेश, तकनीक और डेटा—ये सब नए हथियार बन चुके हैं। यदि इन पर नियंत्रण नहीं रखा गया, तो यह देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इसलिए भारत का यह कदम समय की मांग भी है और भविष्य की तैयारी भी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में

दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं। दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे। वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

एजेंसी, लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए

जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं। इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में आया हल्का बदलाव

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ जीत के साथ ही अंक तालिका में भी हल्का बदलाव आया है। आरसीबी अब 10 मैचों में चार हार और 6 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है, पहले 9 मैचों में 6 जीत और तीन हार के साथ तीसरे स्थान पर थी। वहीं लखनऊ की टीम ने जीत हासिल करने के बाद भी 10 मैचों में तीन जीत और 7 हार के साथ 10वें स्थान पर ही है। वहीं 14 अंकों के साथ सनराइजर्स

हैदराबाद की टीम शीर्ष पर है, जबकि 13 अंकों के साथ पंजाब किंग्स दूसरे और 12 अंकों के साथ राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर है।

वॉन ने राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी पर नाराजगी जतायी

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने नए राष्ट्रीय चयनकर्ता की नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जतायी है। वॉन ने कहा है कि पिछले चार माह से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) चयनकर्ता की घोषणा नहीं कर पाया है जो बेहद निराशाजनक है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एक और जहां टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही है। वहीं दूसरी ओर चयनकर्ता का पद खाली है। ऐसे में टीम का चयन किस प्रकार किया जाएगा। ये समझ नहीं आ

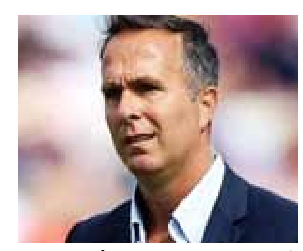

रहा। वॉन ने कहा कि इस प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जा सकाता है। उन्होंने नये चयनकर्ता के जल्द से जल्द पदभार संभालने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, मैं चाहता था कि चयनकर्ता अब तक नियुक्त कर दिया जाना चाहिये था। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पूर्व चयनकर्ता लुक राइट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंत में पद छोड़ा था और उनकी जग नये चयनकर्ता की तलाश में ईसीबी ने चार माह लगा दिये। जो कि काफी लंबा समया है। यह पद तब से खाली है जब ल्यूक राइट ने 22 जनवरी को घोषणा की थी कि वह छोड़ देंगे, हालांकि उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ा। इसके बावजूद, उनके जगह नये चयनकर्ता को खोजने की प्रक्रिया अब जाकर अपने अंतिम चरण में पहुंची है, ईसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-1 से एशेज में मिली हार के बाद पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के ढांचे की समीक्षा शुरू की थी।

बिजनेस

वॉलमार्ट ने भारतीय कारोबारियों के लिए वैश्विक स्तर पर अवसर बढ़ाने के लिए ग्रोथ समिट 2026 का किया आयोजन

- **वॉलमार्ट वृद्धि ने देश में अब तक 1,15,000 से ज्यादा एमएसएमई को किया है सशक्त**

एजेंसी, नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वॉलमार्ट ग्रोथ समिट के दूसरे संस्करण इंडिया 2026 का आयोजन किया। वॉलमार्ट ने इस आयोजन के जरिए निर्यात के लिए तैयार उद्यमों, एमएसएमई, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स, डी2सी विक्रेताओं और सप्लाई चेन भागीदारों को एक मंच पर लाया, ताकि वे देश और विदेश दोनों बाजारों में विकास के नए अवसरों को तलाश सकें।

वॉलमार्ट इंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने कहा, 'आज के वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत सबसे ज्यादा गतिशील अवसरों का प्रतिनिधित्व करता है। हमने अब तक भारत से 40 अरब डॉलर से ज्यादा के उत्पादों की सोर्सिंग की है और उद्यमियों को मजबूत करने एवं सप्लायर्स की क्षमता बढ़ाने, नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने, गुणवत्तापूर्ण मानक स्थापित करने और मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को निर्यात के लिए तैयार करने में मदद मिली है। इससे व्यापक आर्थिक अवसर बन रहे हैं और इनोवेटिव कंपनियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का मौका मिल रहा है।' उन्होंने बताया कि भारत में एमएसएमई के विकास के मामले में उल्लेखनीय पड़ाव पार करते हुए वॉलमार्ट वृद्धि सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम ने आज बताया कि 2019 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से अब तक इसने देशभर में 1,15,000 से ज्यादा एमएसएमई को प्रशिक्षित किया है, उन्हें डिजिटल क्षमताओं से लैस किया है, जरूरी कारोबारी कौशल सिखाए हैं और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद की है।

जॉन फर्नर ने बताया कि 2028 तक कुल 1,70,000 एमएसएमई का समर्थन करने की योजना के साथ यह प्रोग्राम लगातार ऐसे एमएसएमई को मजबूत कर रहा है, जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक से अब तक वॉलमार्ट ने पूरे भारत में मजबूत सप्लायर साझेदारियां की हैं। इससे निर्यात के मामले में दीर्घकालिक क्षमता विकसित करने और वैश्विक स्तर पर विनिर्माण हब के रूप में भारत की उभरती छवि में योगदान मिला है।

वॉलमार्ट ने जारी बयान में कहा कि भारत से अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के उत्पादों की सोर्सिंग करने और वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के जरिए 1.15 लाख से अधिक उद्यमियों को सशक्त बनाने के बाद, इस समिट में भारत के निर्यात इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा अधिक से अधिक भारतीय व्यवसायों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की वॉलमार्ट की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को प्रमुखता से रेखांकित किया गया।

वॉलमार्ट एवं फ्लिपकार्ट के अधिकारियों ने ग्लोबल सप्लाई चेन में भारतीय कंपनियों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। साथ ही स्थानीय साझेदारियां बढ़ाने और क्षमता निर्माण के प्रयासों को रेखांकित किया। जयपुर और कोयंबटूर में क्षेत्रीय ग्रोथ समिट आयोजनों के बाद यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। भारत सरकार के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गनाजेशंस (एफआईईओ) के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम से प्रमुख एमएसएमई क्लस्टर्स में पहुंच मजबूत करने में मदद मिली। आगामी वर्षों में ऐसे और शिखर सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, 'फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने इस बात को व्यक्तिगत रूप से अनुभव किया है कि कैसे टेक्नोलॉजी और डिजिटल कॉमर्स से पूरे भारत में लाखों छोटे कारोबारियों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। फ्लिपकार्ट समर्थ और वॉलमार्ट वृद्धि जैसी पहलों के माध्यम से हम क्षमता निर्माण करने, बाजार तक पहुंच बेहतर करने और कंपनियों के लिए वैश्विक एवं घरेलू बाजार में विकास के रास्ते खोलने में मदद कर रहे हैं।

स्टेट बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी, नई दिल्ली

देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शुक्रवार को कहा कि फंसे कर्ज में सुधार होने से उसके लाभ में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एसबीआई का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में छह फीसदी बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18,643 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

स्टेट बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 1,40,412 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 पहले समान तिमाही में 1,43,876 करोड़ रुपये थी। हालांकि, चौथी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 1,23,098 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,19,666 करोड़ रुपये थी। एसबीआई के मुताबिक बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल कर्ज का 1.49 फीसदी रह गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही के अंत में 1.82 फीसदी रही थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 0.39 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 0.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि चौथी तिमाही में एकीकृत आधार पर एसबीआई का शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 19,643 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 19,600 करोड़ रुपये था। इस तरह कुल आय बढ़कर 1,81,079 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 1,79,562 करोड़ रुपये थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 13 फीसदी बढ़कर 80,032 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 70,901 करोड़ रुपये था। एसबीआई ने कहा कि बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 17.35 रुपये के लाभांश की घोषणा की है। बैंक ने कहा कि लाभांश पाने के पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए रिकॉर्ड तिथि 16 मई है, जबकि लाभांश का भुगतान चार जून को तय किया जाएगा।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए 2022-23 के आधार वर्ष के साथ दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

सांख्यिकी मंत्रालय ने गुरुवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस कदम से सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों

के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय लेखा के आधार वर्ष को अपडेट कर 2022-23 कर दिया है। इस संशोधन का उद्देश्य आधुनिक डेटा स्रोतों और विकसित हो रहे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से प्रस्तुत करना है। इस परिवर्तन के अनुरूप राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन के लिए नए आधार वर्ष को अपनाना अनिवार्य है।

वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने बैंकों को 'माइथोस' से होने वाले जोखिम के बारे में चेताया

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने गुरुवार को एंथ्रोपिक माइथोस एआई मॉडल से होने वाले खतरे पर प्रकाश डालते हुए बैंकिंग समुदाय से आग्रह किया कि अगर माइथोस देश में सार्वजनिक रूप से रिलीज होता है, तो उसका सामना करने के लिए तैयार रहें।

एम. नागराजू ने यहां 'भारतीय बैंक संघ'(आईबीए) की तरफ से आयोजित जोखिम प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि बैंकिंग समुदाय इस स्थिति के लिए तैयार है, अगर 'माइथोस' देश में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है।" डीएफएस के सचिव ने बैंकों से अपनी साइबर सुरक्षा एवं परिचालन मजबूती को सुदृढ़ करने का आह्वान करते हुए कहा कि एंथ्रोपिक माइथोस जैसे उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की स्थिति में बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। एम. नागराजू ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि मुंबई में 'जोखिम प्रबंधन' पर आयोजित पहले आईबीए शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया। डीएफएस सचिव ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने रिकॉर्ड-निम्न एनपीए स्तरों और मज़बूत ऋण वृद्धि के साथ अभूतपूर्व लचीलापन दिखाया है।

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 394 अंक लुढ़का

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली दिख रही है। बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर हैं। शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 394 अंक व निफ्टी में 135 अंक की गिरावट है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 394.25 अंक यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 77,450.27 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 95.70 अंक यानी 0.39 फीसदी फिसलकर 24,230.95 के स्तर पर कारोबार

कर रहा है। आज के कारोबार में ऑटो और बैंक शेयरों में बिकवाली जारी है, जबकि फार्मा और आईटी शेयरों में खरीदारी दिख रही है। शेयर बाजार में गिरावट का कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे गिरकर 94.58 पर आ गया है। वहीं, अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

हर वक्त फैसले लेना थका देता है
मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।

मीरा ने कहा, महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है। उन्होंने आगे कहा, महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है। मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं। उन्होंने कहा, जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता-पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है।

वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा, महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े। कभी-कभी खुद से कोई सवाल न पूछना और बस उस पल में जीना भी बहुत जरूरी होता है।

गोल्डन साड़ी में काजल अग्रवाल ने बिखेरा जलवा, ग्रेस और ग्लैमर का दिखा परफेक्ट कॉम्बिनेशन

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत लिया है. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका एलिगेंट और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला रहा है. ट्रेडिशनल साड़ी को मॉडर्न टच के साथ कैरी करते हुए काजल ने फैंस को एक नया फैशन इंस्पिरेशन दिया है. उनका ये लुक ना सिर्फ क्लासी है, बल्कि शादी या फेस्टिव मौके के लिए भी परफेक्ट ऑप्शन है.

काजल ने गोल्डन शिमरी साड़ी पहनी है, जिसमें हल्की चमक उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं. उन्होंने हाई-नेक, फुल स्लीव्स वाला एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी किया है, जो बहुत ही डिटेल्ड और स्टाइलिश लग रहा है. साड़ी को उन्होंने बहुत सलीके से ड्रेप किया है, जिससे उनका फिगर और भी एन्हांस हो रहा है. बालों को उन्होंने जूड़ा में बांधा है, जिससे उनका लुक क्लीन और एलिगेंट दिख रहा है. न्यूड मेकअप के साथ सॉफ्ट आई मेकअप और हल्के लिप शेड ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को हाइलाइट किया है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें छोटे ईयररिंग्स ओवरऑल लुक को बैलेंस कर रहे हैं. उनका पूरा लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न का परफेक्ट मिक्स है, जो उन्हें ग्रेसफुल और क्लासी बना रहा है.

नया म्यूजिक वीडियो लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया

अपने प्रशंसकों के लिए गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया एक नया म्यूजिक वीडियो लेकर आ रहे हैं। यह एक हाई-एनर्जी ट्रैक बताया जा रहा है, जिसका पहला पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। उनका नया गाना शराब जल्द रिलीज होने वाला है। इस गाने में पहली बार हिमेश रेशमिया और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर एक साथ नजर आएंगे। दोनों की नई जोड़ी को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। हिमेश रेशमिया ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का फर्स्ट लुक साझा किया। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "जय माता दी। चलो धमाल मचाते हैं। एक बार सुनना काफी नहीं होगा। शराब के लिए बने रहें। टीजर मंगलवार को सिर्फ यूट्यूब चैनल पर आएगा।" पोस्टर में गाने की भव्यता और स्टाइलिश अंदाज साफ दिखाई दे रहा है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि म्यूजिक वीडियो बड़े स्तर पर तैयार किया गया है। इस गाने का निर्देशन और कोरियोग्राफी मशहूर जोड़ी पीयूष और शाजिया ने की है। दोनों अपने अलग और आकर्षक डांस स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। गाने को आवाज खुद हिमेश रेशमिया ने दी है, जबकि इस बार संगीत की जिम्मेदारी रजत नागपाल ने संभाली है। इसके बोल राणा सोतल ने लिखे हैं। माना जा रहा है कि यह गीत युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और पार्टी ट्रैक के रूप में लोकप्रिय हो सकता है। पोस्टर रिलीज होते ही फैंस सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोग हिमेश के पुराने सुपरहिट गानों को याद करते हुए इस नए ट्रैक को लेकर उत्साहित नजर आए। हाई-एनर्जी म्यूजिक और ग्लैमरस प्रस्तुति के लिए पहचाने जाने वाले हिमेश रेशमिया की वापसी को संगीत प्रेमी खास मान रहे हैं। हिमेश रेशमिया के नॉन-फिल्मी एल्बम भारतीय संगीत जगत में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उनका मशहूर एल्बम आप का सुरूर दुनिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले नॉन-फिल्मी एल्बमों में गिना जाता है।

बॉबी देओल की फिल्म बंदर का टीजर आज होगा जारी

बॉबी देओल की आगामी फिल्म बंदर कई साल से चर्चाओं में बनी हुई है। 2026 में वो पल आ गया है, जब इसे सिनेमाघरों में उतारा जाएगा। फैंस भी इसके लिए बेहद उत्साहित हैं। चूंकि निर्माताओं ने पोस्टर के अलावा, अभी तक फिल्म से जुड़ी अन्य झलकियां साझा नहीं की थीं, इसलिए अब टीजर रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट आ गया है। बंदर से अभिनेता के नए पोस्टर के साथ इसके टीजर को लेकर जानकारी दी गई है।

फिल्म के नए पोस्टर में, बॉबी ने चमकीले कपड़े पहन रखे हैं और हाथ में गिटार थामे पोज दे रहे हैं। उनका कूल लुक फैंस को काफी रास आ रहा है। निर्माताओं ने बताया है कि टीजर 7 मई को सुबह 11 बजे जारी कर दिया जाएगा। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, राज बी. शेट्टी और इंद्रजीत सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

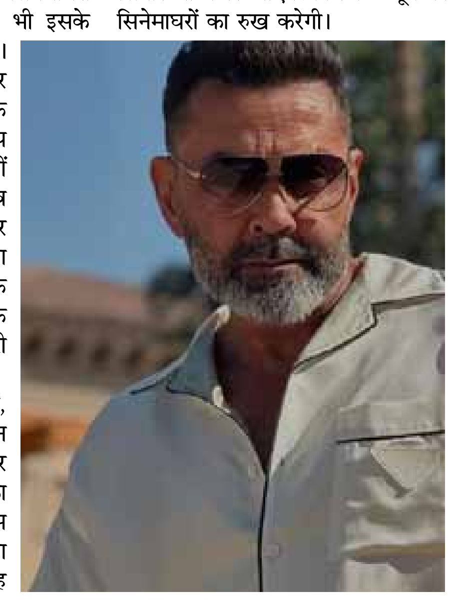

राजा शिवाजी का बॉक्स ऑफिस पर रुतबा बरकरार, 4 दिनों में निकाला आधा बजट, एक दिन और भूत बंगला की कमाई में आई गिरावट

रितेश देशमुख की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी का क्रेज सिनेमाघरों में खूब देखने को मिल रहा है। फिल्म ने वीकेंड पर दोहरे आंकड़ों के साथ कलेक्शन किया था। कारोबारी दिनों में लौटकर इसने गिरावट के बावजूद अपने रुतबे को बरकरार रखा है। 4 दिनों के अंदर फिल्म ने अपने आधे बजट को पार कर लिया और आगे की राह पर चल चुकी है। वहीं जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म एक दिन लाखों में सिमट गई है। सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने चौथे दिन, यानी पहले सोमवार को 5.60 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसने पहले दिन 11.35 करोड़, दूसरे दिन 10.55 करोड़ और तीसरे दिन 12 करोड़ कमाए थे, जिसके बाद फिल्म की कुल कमाई 39.50 करोड़ रुपये हो गई है। के मुताबिक, फिल्म का कुल बजट 75 करोड़ रुपये है और इस तरह फिल्म ने अपनी आधी लागत वसूल ली है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा, संजय दत्त और अभिषेक बच्चन जैसे सितारे भी हैं। उधर जुनैद और साई की फिल्म एक दिन का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल होता नजर आ रहा है। कारोबारी दिनों में आते ही फिल्म की कमाई धड़ाम हो गई है। इसने चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 20 लाख कमाए। फिल्म का कुल कारोबार अब तक 3.25 करोड़ रुपये हो सका है। वहीं अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला ने 18वें दिन 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म की कुल कमाई 1,44.25 करोड़ रुपये हो गई है।

अपने खास प्रशंसक के निधन पर बिगबी ने जताया शोक, छलका दर्द

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रयागराज की रहने वाली अपनी खास प्रशंसक शालिनी सिंह के निधन पर शोक जताया। अभिनेता ने भावुक शब्दों में बताया कि यह क्षति उनके लिए किसी निजी रिश्ते के टूटने जैसी है। उन्होंने कहा कि कुछ दर्द ऐसे होते हैं जिन्हें शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं होता और यह समय उनके लिए बेहद कठिन और पीड़ादायक है। बिग बी उन्हें प्यार से "ईएफ" कहकर बुलाते थे और अपने परिवार का अहम हिस्सा मानते थे। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा कि शालिनी सिंह के निधन की खबर ने उन्हें अंदर तक दुखी कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे पलों में शब्द साथ छोड़ देते हैं और इंसान केवल भावनाओं के सहारे रह जाता है। अभिनेता ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि वह इस दर्द को बयान करने की स्थिति में नहीं हैं। अमिताभ बच्चन लंबे समय से अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाए हुए हैं। वह अक्सर अपने फैंस को अपने विस्तारित परिवार का हिस्सा बताते हैं। यही वजह है कि किसी प्रशंसक के निधन की खबर उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करती है। उनके ब्लॉग में इस बार भी भावनात्मक अपनापन साफ दिखाई दिया, जिसने प्रशंसकों को भी भावुक कर दिया। महानायक अक्सर सोशल मीडिया पर जीवन से जुड़े अनुभव और भावनाएं साझा करते रहते हैं। कई बार उनके छोटे-छोटे पोस्ट भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बन जाते हैं। कुछ समय पहले उन्होंने लिखा था कि जीवन में हर दिन एक जैसा नहीं होता और 83 वर्ष की उम्र में भी वह हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। उनका मानना है कि सीखने की इच्छा इंसान को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। काम की बात करें तो अमिताभ बच्चन इन दिनों कल्कि 2898 एडी के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे।

क्या गाजर खाने से रात में नजर होती है तेज ?

आंखों के स्वास्थ्य के लिए गाजर खाने की सलाह अक्सर दी जाती है। इसका कारण यह है कि इस सब्जी में विटामिन-ए होता है, जिसे आंखों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसलिए, यह मान्यता है कि गाजर खाने से रात में बेहतर नजर आता है। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वाकई गाजर खाने से आंखों की रोशनी पर कोई असर पड़ता है या नहीं। गाजर में बीटा-कैरोटीन नामक एक तत्व होता है, जो शरीर में विटामिन-ए में बदल जाता है। विटामिन-ए आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है और यह कम रोशनी में देखने की क्षमता को बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि केवल गाजर खाने से ही आपकी आंखों की रोशनी में सुधार होगा। इसके लिए संतुलित डाइट और अन्य पोषक तत्व भी जरूरी होते हैं। यह सच है कि विटामिन-ए की कमी से रात में देखने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि केवल गाजर खाने से इसका समाधान हो जाएगा। इसके लिए आपको संपूर्ण खान-पान में बदलाव करने होंगे और सभी जरूरी पोषक तत्वों से लैस व्यंजन खाने होंगे। इसके अलावा आखों के चिकित्सक से मिलकर अपनी आखों की जांच जरूर करवा लें। इससे आप जरूरी सावधानियां बरत सकेंगे।

आंखों की सेहत के लिए संतुलित डाइट बहुत जरूरी है। इसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, और अन्य पोषक तत्व शामिल होने चाहिए। विटामिन-ए के अलावा विटामिन-सी, विटामिन-ई, जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन सभी पोषक तत्वों का संतुलित मिश्रण आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकता है। इसलिए, केवल गाजर पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। संतुलित डाइट से ही बेहतर परिणाम मिलेंगे। आंखों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए नियमित जांच करानी चाहिए, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको किसी तरह की परेशानी महसूस हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क करें और सही उपचार करवाएं। इसके अलावा अपनी आंखों की देखभाल के लिए सही जानकारी और सलाह लेना भी जरूरी है। सही जानकारी और नियमित देखभाल से आप अपनी आंखों की सेहत को बेहतर बना सकते हैं। इस लेख से साफ हो जाता है कि केवल गाजर खाने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार नहीं होगा। सही जानकारी और संतुलित डाइट ही आपकी आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए, किसी एक खाद्य पदार्थ पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसे अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ मिलाएं और समय रहते आखों का इलाज भी करवा लें। इसके अलावा ज्यादा मोबाइल आदि चलाने की आदत से भी बचें।

चुनाव जीतने पर विजय को दी काजल अग्रवाल ने बधाई

साउथ के सुपर स्टार और राजनेता विजय थलापति को एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने बधाई दी, जिनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भारी सफलता हासिल की है। विजय तमिलनाडु राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। इस नई पारी के लिए अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट कर विजय को बधाई दी। काजल, जिन्होंने विजय के साथ कई तमिल फिल्मों में काम किया है, ने कहा, नान ओरु थडवा सोन्ना, नूरु थडवा सोन्ना मारी और आज लोगों ने इसे पूर्ण विश्वास के साथ दोहराया है। उन्होंने कहा, अभिनेता विजय को इस शानदार और प्रभावशाली जीत पर हार्दिक बधाई। यह क्षण आपकी दूरदृष्टि, आपके दृढ़ संकल्प और लोगों के अटूट प्रेम का सच्चा प्रमाण है। अभिनेत्री ने आगे कहा, तमिलनाडु की जनता ने खुलकर स्पष्ट रूप से और अपार गर्व के साथ अपनी बात कह दी है। यह सिर्फ एक जीत नहीं है, बल्कि लाखों लोगों के साथ एक गहरे और सशक्त जुड़ाव का उत्सव है। इस प्रेरणादायक नए अध्याय में कदम रखते हुए आपको अपार शक्ति और सफलता की शुभकामनाएं। आशा है कि आप वह बदलाव लाएंगे, जिसकी इतने सारे लोग उम्मीद कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर एक बार फिर बधाई। अभिनेता सरथकुमार की बेटी और अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार ने भी विजय को बधाई दी। उन्होंने लिखा, ओरु वायरल पुरची.. व्हिसल पोडु..!!! विजय वूहूहू....!!! जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। कई दशकों से बहुतों ने कोशिश की, लेकिन आपने साबित कर दिया कि अगर जनता चाहे तो सत्ता उनकी होती है। हमारे तमिल लोगों के लिए बदलाव और समृद्धि की कामना करती हूं। बधाई हो। तमिल संगीत निर्देशक संतोष नारायणन भी उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री से विजय को बधाई दी। संतोष नारायणन ने एक्स पोस्ट कर लिखा, हमारे राज्य में इतिहास रचा जा रहा है।

India to Provide Concessional Credit for Suriname's Development and Strategic Sectors: Jaishankar

New Delhi, During his two-day official visit to Suriname, External Affairs Minister S. Jaishankar emphasized enhancing cooperation between the two nations across various sectors, including defense, health, energy, agriculture, technology, and infrastructure. He also offered to provide concessional credit (Line of Credit) from India for Suriname's development and strategic sectors.According to the Ministry of External Affairs, Minister Jaishankar visited Suriname from May 6 to 7. During this visit, the 9th session of the India-Suriname Joint Commission Meeting (JCM) was held, co-chaired by Minister Jaishankar and Suriname's Minister of Foreign Affairs, Melvin W.J. Bouva. During the meeting, both countries undertook a comprehensive review of their bilateral relations and agreed to further strengthen cooperation in various fields.During the visit, Minister Jaishankar met with the President of Suriname, Jennifer Geerlings-Simons, and conveyed greetings on behalf of India. He stated that India and Suriname are committed to realizing the full potential of their historic and close ties. Minister Jaishankar also met with the Speaker of Suriname's National Assembly, Ashwin Adhin, and underscored the importance of parliamentary exchanges between the two democratic nations.The External Affairs Minister dedicated to Suriname a 'Passion Fruit Processing Facility' project, established with Indian grant assistance and technical support. He noted that this project would help enhance the value-addition potential of agro-based industries. Additionally, he highlighted the potential for new 'Quick Impact Projects.'Minister Jaishankar paid tribute at the statue of Mahatma Gandhi in Paramaribo and visited the 'Baba and Mai' monument to pay homage to the first Indians who arrived in Suriname. He also paid tribute at the 'Martyrs' Memorial of Mariënburg' and visited the Lalla Rookh Museum, which is regarded as a prominent center for the cultural heritage of the Hindustani community.During the visit, a week-long exhibition at the National Archives, focusing on the history of Indian migrants, was also inaugurated. Addressing the Indian community, Jaishankar stated that India would remain a trusted partner in Suriname's development and prosperity.

Deliberations on Investment and Business Reforms in Bihar; Directives Issued to Implement 'Deregulation 2.0' in Mission Mode

Patna: A high-level review meeting was held on Friday at the Main Secretariat conference hall in Patna, jointly chaired by K.K. Pathak, Special Secretary to the Union Cabinet Secretariat, and Pratyaya Amrit, Chief Secretary of Bihar. During the meeting, a detailed review of 'Deregulation 1.0 and 2.0' was conducted with the objective of boosting investment in the state, improving the ease of doing business, and repealing archaic and irrelevant laws.

During the meeting, Special Secretary K.K. Pathak directed all departments to reduce unnecessary compliance burdens within their respective domains and to expeditiously complete the reforms identified under 'Deregulation 2.0' on a priority basis.

During the session, a detailed discussion also took place regarding the incorporation of the new standards of the National Building Code on Sustainability (NBCS) 2026 into the state's building bye-laws, with the aim of ensuring safety and sustainability in infrastructure development.

Directives were issued to rationalize Floor Area Ratio (FAR) norms to modernize and enhance the effectiveness of urban planning in the state, and to adopt the Total Facility Management (TFM) model for the better management of government assets.

During the meeting, K.K. Pathak instructed officials to compile a list of all such rules, returns, and registers that could be eliminated. He emphasized that every unnecessary regulation acts as an impediment to investment and industrial growth.

He directed that all pending tasks under 'Deregulation 2.0' be completed and uploaded to the portal within the next 15 working days. He explicitly stated that no form of negligence or laxity in executing this task would be tolerated.

The Special Secretary further directed that the process of replacing harsh provisionssuch as imprisonment for minor technical lapses under business laws with monetary penalties be expedited. Furthermore, if a reform involves more than one department, the Cabinet Secretariat should assume a coordinating role to ensure that there are no delays in the disposal of files.

He directed that all departmental nodal officers submit their progress reports to the Cabinet Secretariat every Friday, which will be reviewed directly by the Office of the Chief Secretary.

BJP's Stance on Government Formation in Tamil Nadu is Clear: No Support for Any Party – Nainar Nagendran

Chennai: Amidst the prevailing political landscape in Tamil Nadu, the Bharatiya Janata Party (BJP) has made it clear that, for the time being, it is not extending support to any political party in the state. BJP State President Nainar Nagendran stated on Friday that the party has neither offered its support to any other party, nor has any party sought the BJP's support. He added that the BJP currently remains neutral in the state's power equations and respects the mandate delivered by the public.Earlier, a party review meeting was held at 'Kamalalayam'—the BJP's headquarters located in Chennai. All 27 candidates who contested the Tamil Nadu Assembly elections on a BJP ticket participated in the meeting. Following the meeting, Vanathi Srinivasan, State President of the BJP Mahila Morcha (Women's Wing), interacted with journalists and provided details regarding the review of the election results and the party's overall performance.She stated that the BJP accepts the public mandate with the utmost seriousness. While no single party in the state has secured a clear majority, the Tamizhaga Vetri Kazhagam (TVK) is actively engaged in efforts to form the government.Vanathi Srinivasan observed that the electorate has given opportunities to various parties, including the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK), the All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK), and the Pattali Makkal Katchi (PMK). Consequently, she noted, it would be inappropriate to claim that the mandate has swung entirely in favor of any single political party.She emphasized that the BJP does not base its politics solely on the binary of victory and defeat; rather, the party remains committed to working continuously among the people. She further added that a majority of the voters have extended their support to the Tamizhaga Vetri Kazhagam, and the Governor will take a decision in accordance with the Constitution.Vanathi Srinivasan also made sharp remarks regarding the relationship between the Congress and the DMK. She alleged that it was the DMK-led movement that breathed new political life into the Congress party in Tamil Nadu; yet, the Congress subsequently betrayed that very same DMK. She asserted that the political agenda of Congress leaders is confined solely to the pursuit of power and political office. When journalists asked what role the BJP would play if the DMK and AIADMK were to attempt to form a government together, Vanathi Srinivasan stated that the BJP is a national party, and in such matters, the final decision would be taken by the party's national leadership.She further informed that the Governor has sought clear details from the Tamizhaga Vetri Kazhagam regarding the number of legislators supporting them, and the subsequent constitutional process is proceeding on that very basis.BJP State President Nainar Nagendran acknowledged that the BJP secured victory in only one seat in the Assembly elections, but emphasized that the party is not disheartened by this outcome. He

Seven Dead in Bihar Due to Storms and Lightning Strikes

Patna Agency: Seven people lost their lives in various districts of Bihar following storms and lightning strikes that occurred late Friday evening. Chief Minister Samrat Chaudhary has expressed deep condolences over the deaths caused by these incidents across the state: one each in Bhojpur, Patna, Samastipur, and East Champaran due to lightning strikes; and two in Patna and one in Vaishali, who were crushed by falling trees amidst storms and heavy rainfall.

The Chief Minister stated that he stands in solidarity with the affected families during this hour of calamity. He has directed that an ex-gratia grant of ?4 lakh each be provided to the next of kin of the deceased. The Chief Minister has appealed to the public to exercise extreme caution during adverse weather conditions. He urged people to strictly adhere to the advisories issued periodically by the Disaster Management Department whenever the weather turns inclement. He advised everyone to stay indoors and remain safe during bad weather. These include dedicated radiological and nuclear test bed facility and heavy ion research facility, along with emergency medical response and real-time field response units. A radiological and nuclear test bed facility provides a specialised, controlled environment to test, validate and demonstrate technologies related to nuclear energy, radiation detection and hazardous material management.

Rajasthan ATS Takes Major Action: Suspect Identified for Spreading Pro-Khalistan and Pro-Pakistan Content

Jaipur: In a special operation targeting individuals disseminating anti-national and separatist material on social media platforms, the Rajasthan ATS has identified a suspect from Punjab and initiated legal proceedings against him. Preliminary investigations revealed the presence of pro-Khalistan and pro-Pakistan posts, videos, and comments on the accused's social media accounts.

Dinesh MN, Additional Director General of Police (ATS, AGTF, and ANTF), stated on Friday that this operation was executed by the ATS Social Media Monitoring Wing under the supervision of Inspector General of Police Rajesh Singh. The case came to light during the monitoring of suspicious activities led by Police Inspector Nisha Chawariya, the officer-in-charge of the Social Media Wing. Following the initial inquiry, the ATS dispatched a team led by Additional Superintendent of Police Surendra Singh to Punjab. There, through interrogation and digital forensic analysis, it was revealed that the suspect—identified as Gurwinder Singh—had audio clips, videos, posts, chat logs, and comments supporting pro-Khalistan and pro-Pakistan ideologies on his social media accounts.

Evidence found on the accused's Facebook Messenger included conversations with suspicious individuals and members of the banned terrorist organization, The Resistance Front (TRF). Furthermore, chat logs and voice notes were recovered in which he discussed procuring AK-47 rifles and grenades from these individuals to carry out bomb blasts. It was also discovered that the suspect had recorded a video of a restricted area—specifically a BSF outpost—using his mobile phone and shared it with his handlers based in Pakistan. Additionally, the suspect was found to be consistently sharing videos supporting the Khalistan cause, featuring Gurpatwant Singh Pannu, the chief of the terrorist organization Sikhs for Justice (SFJ). The investigation has established that he maintained contacts with separatist individuals and organizations,

and possessed material related to the planning of terrorist incidents within the country.

Acting on intelligence provided by the Rajasthan ATS, a case has been registered against the suspect—Gurwinder Singh, a resident of Punjab—at the Sadar Patti Police Station in the Tarn Taran district of Punjab. The case has been filed under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (Indian Justice Code) and the IT Act. The investigation into the matter is ongoing, and agencies are conducting a thorough probe into his network and potential accomplices.

Sheikh Hasina Congratulates Suvendu Adhikari

Kolkata/Dhaka: Following the Bharatiya Janata Party's (BJP) victory in the 2026 West Bengal Legislative Assembly elections, a wave of congratulations continues to pour in. Former Prime Minister of Bangladesh, Sheikh Hasina, has also extended her best wishes on this triumph.

In a statement issued by the Awami League, it was noted that Sheikh Hasina specifically congratulated Suvendu Adhikari on his victory. Furthermore, she conveyed her wishes for the prosperity and well-being of the people of West Bengal and the entire nation of India.

According to political analysts, this victory is being viewed as a harbinger of a major shift in the state's politics. With Suvendu Adhikari being elected as the leader of the legislative party—thereby becoming the Chief Minister-designate—the Purba Medinipur region has once again scripted history.

It is noteworthy that prior to this, Ajoy Kumar Mukherjee had served as the Chief Minister of the United Front government in 1967 and 1971. Subsequently, for nearly five and a half decades, no individual from Medinipur held the office of Chief Minister. Following his victory over Mamata Banerjee in the 2026 elections and his subsequent selection for the Chief Minister's post, an atmosphere of jubilation prevails across the entire region, including Nandigram. This development is also being interpreted as the "restoration of lost prestige" within the political landscape of West Bengal.

Commanders of All Three Services Hold Intensive Deliberations on Cyber and Space Warfare in Jaipur

*** Defence Minister Rajnath Singh Participates on the Final Day of the Two-Day Commanders' Conference**

New Delhi: Commanders from all three branches of the armed forces gathered in Jaipur to discuss future cyber and space warfare. The two-day Commanders' Conference, hosted under the aegis of the Army's South Western Command, focused on advancing the 'Atmanirbhar Bharat' (Self-Reliant India) initiative through innovation, indigenization, and civil-military fusion. Defence Minister Rajnath Singh urged the commanders to cultivate an 'element of surprise' against the nation's adversaries, thereby enabling them to secure a strategic advantage in any given situation.

Defence Minister Rajnath Singh participated on Friday—the final day—of the two-day conference held in Jaipur on the theme 'Military Capabilities in New Domains.' Arriving in Jaipur to mark the first anniversary of 'Operation Sindoor,' the Defence Minister released a documentary film on the operation during the first day of the conference. He also released 'Vision 2047,' as well as the Joint Doctrine for Integrated Communication Architecture and Air Defence.

Defence Minister Rajnath Singh exhorted the commanders of the three services to remain prepared for the future by drawing lessons from 'Operation Sindoor' and the prevailing global security landscape. He characterized 'Operation Sindoor' as a short-duration, deep-penetration, high-intensity, and high-impact operation that demonstrated India's capability to compel its adversary to surrender. He stated that this operation served as a showcase of India's growing capabilities and a symbol of new military ethos. The Defence Minister emphasized the imperative of maintaining readiness amidst the rapidly evolving geopolitical security scenario.

Highlighting the transformative impact of emerging technologies, he underscored the critical importance of ensuring the nation's comprehensive readiness across all facets of conflict. Rajnath Singh commended the progress achieved in enhancing jointness, integration, and technology adoption across the three services. He asserted that jointness constitutes a pivotal element amidst the significant transformations currently sweeping across the global defence sector. He stated that future wars would be won not merely through weaponry, but through innovative thinking and superior coordination. He urged everyone to remain vigilant against the enemy's "element of surprise" and to always stay two steps ahead. He reiterated the commitment to enhancing the capabilities of the defense forces through the provision of advanced weapons and platforms. He added that special emphasis is being placed on research within specific domains.

The event was attended by Chief of Defence Staff General Anil Chauhan, Chief of Naval Staff Admiral Dinesh Kumar Tripathi, Chief of Army Staff General Upendra Dwivedi, Chief of Air Staff Air Chief Marshal AP Singh, Defence Secretary Rajesh Kumar Singh, Secretary of the Department of Defence Research and Development and Chairman of DRDO Dr. Samir V. Kamat, Secretary (Defence Production) Sanjiv Kumar, Secretary (Ex-Servicemen Welfare) Sukriti Likhi, Secretary (Defence Finance) Vishwajit Sahay, and other senior civilian and military officials.